RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 235 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 24-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर पटेल
6 युद्ध का खामियाजा भुगतता एनर्जी सेक्टर
7 थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

फर्स्ट टेक

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू/भाषा। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर बाद 1:14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बाझंग के रायल क्षेत्र के पास स्थित था। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों के निवासियों ने भी भूकंप का झटका महसूस किया। सुदूरपश्चिम प्रांत में 17 मार्च को भी भूकंप का झटका महसूस किया गया था, जिसकी तीव्रता चार मापी गयी थी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप ने दार्चुला जिले के सीतौला क्षेत्र को प्रभावित किया।

रुपया 50 पैसे टूटकर 94.03 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई/भाषा। रुपया सोमवार को 50 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.03 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। यह पहली बार है जब रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले टूटकर 94 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, मजबूत अमेरिकी डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट ने भी रुपए पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.84 पर खुला और पूरे दिन गिरावट में रहा। अंततः यह पहली बार 94 के स्तर को पार करते हुए 94.03 (अस्थायी) पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है।

फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' ने चार दिनों में 761 करोड़ रु की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज के पहले चार दिनों में वैश्विक स्तर पर 761 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार करते हुए 'पुष्पा 2' के बाद शुरुआती सप्ताहांत में रिकॉर्ड बनाने वाली दूसरी भारतीय फिल्म बन गई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' ने अपने रिलीज के बाद चार दिनों में 795.50 करोड़ रुपए की कमाई की थी जबकि 'धुरंधर: द रिवेंज' ने इस समयसीमा के अंदर 761 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म ने भारत में 'पेड प्रिव्यू' और पहले दिन के प्रदर्शन से 145 करोड़ रुपए कमाए जबकि विदेशों में 52 करोड़ रुपए की कमाई की।

सूर्यास्त 24-03-2026 6:19 बजे | सूर्योदय 25-03-2026 6:09 बजे

BSE	NSE
72,696.39	22,512.65
(-1,836.57)	(-601.85)

सोना	चांदी
14,193 रु.	233,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गिरावट का दौर

सेंसेक्स गिर गया तेजी से,
हर ओर गिरावट जारी है।
हो रहा अभद्र भाषा का स्तर,
शब्दों की चली दुधारी है।
गिर गए मूल्य नैतिकता के,
बेशर्मी सब पर भारी है।
दानवता मुखरित सभी तरफ,
मानवता लगती हारी है।।

'किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद को बताया कि किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी का कोई प्रस्ताव केंद्र के समक्ष विचाराधीन नहीं है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से समय पर और पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके जरिये संशोधित ब्याज सब्सिडी योजना (एमआईएसएस) के तहत रियायती ब्याज दरों पर 3 लाख रुपये तक का फसल ऋण प्रदान किया जाता है, साथ ही समय पर पुनर्भुगतान के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिए जाते हैं।

इसके अलावा, सरकार ने कृषि संबंधी अल्पकालिक ऋणों (संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋणों सहित) को बिना गारंटी के 1.60 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.00 लाख रुपये कर दिया है और कृषि सहित अर्थव्यवस्था के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने फसल बीमा और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से भूमिधारक किसानों को प्रत्यक्ष नकद अंतरण की शुरुआत की है।

पारंपरिक परिधान

सोमवार को देहरादून में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं भाग लेते हुए।

चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर रहा भारत : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ हम भारत के साथ खड़े हैं। हम भारत के हितों के साथ खड़े हैं। हम शांति और संवाद के साथ खड़े हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और चुनौतियों को टालने के बजाय उनका डटकर सामना कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने 'टीवी9 नेटवर्क शिखर सम्मेलन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया कई गुटो में बंटी हुई है, भारत ने खाड़ी देशों से लेकर पश्चिम देशत तक और 'ग्लोबल साउथ' से लेकर अपने पड़ोसियों तक असाधारण सेतु का काम करने में सफलता हासिल की है।

'ग्लोबल साउथ' का इस्तेमाल दुनिया के विकासशील या कम विकसित देशों के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत सभी के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत से दूर, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध हो रहे हैं, लेकिन आज के परस्पर जुड़े परिवेश में, कोई भी देश उनके प्रतिकूल परिणामों से अछूता नहीं रह सकता है और कई देशों में स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 23 दिनों में, जब से पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ है, भारत ने संबंध निर्माण, निर्णय लेने और संकट प्रबंधन में उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है।

मोदी ने कहा, ''कोविड-19 महामारी के बाद से चुनौतियां लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। ऐसा कोई वर्ष नहीं बीता जिसने भारत और भारतीयों की परीक्षा न ली हो। लेकिन 1.4 अरब भारतीयों के एकजुट प्रयासों से भारत हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और चुनौतियों को टालने के बजाय उनका डटकर सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, ''लोग अक्सर पूछते हैं कि हम किसके पक्ष में हैं। मेरा जवाब है कि हम भारत के साथ खड़े हैं। हम भारत के हितों के साथ खड़े हैं। हम शांति और संवाद के साथ खड़े हैं।''

मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया जिस गंभीर स्थिति से गुजर रही है, उसे देखते हुए यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि युद्ध की मौजूदा परिस्थितियों में भी, दुनिया भर के कई देश भारत की नीति और रणनीति तथा उसकी ताकत को देखकर आश्चर्यचकित हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई है और उनका प्रभाव विश्व भर में दिखाई दे रहा है, ऐसे में भारत और दुनिया पर चर्चा करना अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने कहा, ''यह नया भारत है। यह विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

'कॉइनडीसीएक्स' के दो सह-संस्थापक धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

ठाणे (महाराष्ट्र)/भाषा। ठाणे पुलिस ने क्रिप्टोकरेंसी विनिमय मंच 'कॉइनडीसीएक्स' के दो सह-संस्थापकों को 71.6 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बहरहाल, कंपनी ने दावा किया कि प्राथमिकी झूठी है और साजिशन कुछ लोगों ने अपने को कॉइनडीसीएक्स का संस्थापक होने का दावा करते हुए लोगों को ठगा है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी की यह कार्रवाई 16 मार्च को ठाणे के मुंब्रा थाने में कॉइनडीसीएक्स के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता, नीरज खंडेलवाल और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और जालसाजी के आरोपों में दर्ज प्राथमिकी के बाद की गई है। शिकायतकर्ता 42 वर्षीय एक बीमा सलाहकार ने आरोप लगाया है कि अगस्त 2025 एवं इस वर्ष मार्च के बीच उन्हें क्रिप्टोकरेंसी मंच से कथित तौर पर जुड़ी एक कंपनी में निवेश करने पर उच्च मुनाफे का झांसा देकर 71.6 लाख रुपए का चूना लगाया गया।

किसी राज्य पर हिंदी सहित कोई भी भाषा नहीं थोपी जा रही : जयंत चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी भाषा नहीं थोप रही। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

तमिलनाडु के सदस्य ने उनके राज्य का समग्र शिक्षा अभियान के तहत बकाया धन जारी नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत तीन भाषा के फार्मूले को लेकर चिंता जताई।

चौधरी ने अपने उत्तर में कहा, ''एनईपी में स्पष्ट रूप से छात्रों को बहुभाषाएं सिखाने से उनके शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख है। सभी राज्यों को स्कूलों में तीन भाषाओं को सिखाने का ढांचा बनाना चाहिए। कम से कम 15 साल तक के बच्चों को विशेष रूप से दो भाषाओं में दक्षता होनी चाहिए जो मातृभाषा हों। तीसरी भाषा पूरी तरह मांग पर आधारित है।'' उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान 2.0 के तहत राज्यों को शिक्षकों की नियुक्ति आदि में मदद करती है।

तमिलनाडु में तीन भाषाओं के फार्मूले को लागू करने पर द्रमुक सांसद की चिंता पर चौधरी ने कहा, ''मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनईपी 2020 में कहीं भी हिंदी समेत किसी भाषा को थोपने की बात नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जनगणना 2011 के 'भाषा एटलस' के अनुसार तमिलनाडु में 96 भारतीय भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं।

चौधरी ने कहा कि एनईपी में तीन भाषाओं में दो मातृभाषाओं को सिखाने की बात है। उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं को लागू करने की बात भी दो भाषाओं के फार्मूले, जिसे द्रमुक भी तमिलनाडु में स्वीकार करती है, के साथ ही लागू है। शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि इसमें लचीलापन है। उन्होंने यह दावा भी किया कि तमिलनाडु ने मार्च 2024 में पीएमश्री योजना पर समझौता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन उन्होंने अभी तक यह करार नहीं किया है। इस पर द्रमुक के कुछ सदस्यों को आपत्ति जताते सुना गया।

चौधरी ने कहा, ''अगर आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सहमत हैं तो आपको पीएमश्री योजना भी लागू करनी चाहिए। इसे देश में 14 हजार से अधिक स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है। तमिलनाडु में इसे लागू नहीं किए जाने से वहां के छात्र अलग-थलग महसूस कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत तमिलनाडु को 538 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं और आगे के अनुदान की प्राप्ति के लिए राज्य को प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत तेजी से विकास कर रहा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि विश्व में अनिश्चितता की स्थिति के बावजूद भारत तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने श्रीलंका की संसद की अवसरंचना और रणनीतिक मुद्दों संबंधी निगरानी समिति के अध्यक्ष एस. एम. मरिक्कार के नेतृत्व में भारत आए श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह भी कहा कि दोनों देश हजारों वर्षों से जारी सभ्यतागत, सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को साझा करते हैं।

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बिरला ने पिछले एक दशक में भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि निरंतर अनुसंधान और नवाचार ने देश भर में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास को गति दी है।

भारत की ''पड़ोस प्रथम'' नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने देश में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में हुई प्रगति के साथ-साथ संसदीय कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने में नवाचार और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

बिरला ने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के दृढ़ संकल्प के साथ भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है।

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर एयर कनाडा का विमान ट्रक से टकराया

▪ पायलट और सह-पायलट की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर रविवार रात लैंडिंग के दौरान एयर कनाडा का एक विमान रनवे पर दमकल विभाग के ट्रक से टकरा गया, जिसके चलते दो पायलटों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि भिड़ंत की वजह से विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद 39 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आसपास के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कुछ को गंभीर चोट आई है।

अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

हवाई अड्डे का संचालन करने वाले न्यूयॉर्क एवं न्यूजर्सी पोर्ट अथॉरिटी की कार्यकारी निदेशक कैथरीन गार्सिया ने बताया कि ट्रक में सवार पोर्ट अथॉरिटी के दो कर्मचारी भी घायल हो गए। गार्सिया ने सोमवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों में विमान के पायलट और सह-पायलट शामिल हैं।

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के नेतृत्व में घटना की जांच की जा रही है।

अमेरिका ने पांच दिन के लिए टाले ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ अमेरिकी राष्ट्रपति के रुख में आए बदलाव से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का कुछ समाधान निकलने की उम्मीद जगी है।

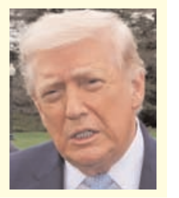

दुबई/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा सोमवार को बढ़ा दी और कहा कि अमेरिका पांच दिन के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल रहा है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' साइट पर युद्ध के समाधान की संभावना भी जताई। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने बातचीत होने से इनकार किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के रुख में आए बदलाव से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का कुछ समाधान निकलने की उम्मीद जगी है।

बाद में, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान ''समझौता करना चाहता है''। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके (ट्रंप के) दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार शाम तक बातचीत की तथा वार्ता जारी रहेगी।

ट्रंप ने तेहरान का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी भी अधिकारी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से बात नहीं की है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान के साथ कोई समझौता हो जाता है, तो अमेरिका ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई करेगा।

सोशल मीडिया पर ट्रंप की घोषणा के ठीक बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा, ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे।''

युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इस संघर्ष में 2,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई है, तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और दुनिया के कुछ सबसे व्यस्त हवाई मार्गों को खतरा पैदा हो गया है।

ईरान ने कहा था कि वह पूरे पश्चिम एशिया में बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएगा। वहीं ट्रंप ने कहा था कि महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोले जाने पर अमेरिका, ईरान में ऊर्जा संयंत्रों पर हमले करेगा। लेकिन, सोमवार सुबह ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच ''बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत'' हुई है, जिससे युद्ध का ''पूर्ण और निर्णायक समाधान'' निकल सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि बातचीत ''पूरे सप्ताह'' जारी रहेगी।

ईरान ने फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाने की धमकी दी

दुबई/एपी। ईरान की रक्षा परिषद ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर जमीनी आक्रमण हुआ, तो वह ''पूरे फारस की खाड़ी'' में समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछा सकता है। रक्षा परिषद का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तेहरान में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि अमेरिकी मरीन नौसैनिक क्षेत्र में तैनात किए जा सकते हैं। रक्षा परिषद ने कहा, ''दुश्मन द्वारा ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने का कोई भी प्रयास स्वाभाविक रूप से और स्थापित सैन्य प्रथाओं के अनुसार फारस की खाड़ी और तटीय इलाकों में पहुंच के सभी मार्गों को बारूदी सुरंगों से भर देने का कारण बनेगा।'' इस बीच, अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को ऊर्जा आपूर्ति के लिए फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है, जो फारस की खाड़ी का संकरा प्रवेश द्वार है।

देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है उत्तराखंड सरकार : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि चार साल के कार्यकाल में उनकी सरकार राज्य आंदोलनकारियों के सपनों को साकार के करने तथा प्रदेश के गौरव को पुनर्स्थापित करने के अपने संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

अपनी सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर यहां परेड ग्राउंड में आयोजित 'चार साल बेमिसाल' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने मिथक तोड़कर भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी और इसी मैदान में उन्होंने मुख्य सेवक के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली थी । उन्होंने कहा कि उसी समय उन्होंने आंदोलनकारियों के सपनों को पूरा करने तथा उत्तराखंड के गौरव को पुनर्स्थापित करने तक अनवरत काम करने का संकल्प लिया था । उन्होंने कहा, ''आज पूरे संतोष और गर्व से मैं कह सकता हूं कि हम संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और इसके परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।'' धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2021 में बाबा केदार के धाम से बोले गए शिवोमयी शब्दों कि '21 वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा' को चरितार्थ करने के लिए उनकी सरकार निरंतर काम कर रही है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल व हवाई संपर्क को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया, विभिन्न नीतियों व योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया ।

2027 का सेना दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा भोपाल: मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि 2027 का सेना दिवस समारोह 15 जनवरी को भोपाल में आयोजित किया जाएगा। सेना दिवस हर वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन 1949 में के एम करियप्पा ने जनरल सर एफ आर आर बुचर से भारतीय सेना के पहले भारतीय 'कमांडर-इन-चीफ' के रूप में कार्यभार संभाला था।

मुख्यमंत्री ने यहां अपने सरकारी निवास पर थलसेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी की उपस्थिति में एक बैठक में कहा कि यह भव्य आयोजन राज्य के नागरिकों को देश की समृद्ध सैन्य विरासत से परिचित कराएगा और युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने हर अवसर पर अदम्य साहस, पराक्रम और शक्ति का परिचय दिया है। राज्य के नागरिकों को सेना की गौरवशाली परंपरा से जोड़ने और युवाओं को प्रेरित करने के लिए 15 जनवरी 2027 को भोपाल में विशेष परेड आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि यहां सेना दिवस समारोह में भाग लेने का अनुभव 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह जैसा होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस आयोजन के लिए सेना को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस अवसर पर 'शौर्य संध्या', सेना के हथियारों, संसाधनों और उपकरणों की प्रदर्शनी तथा सैन्य अभ्यासों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार सभी कार्यक्रम गणतंत्र दिवस समारोह की भव्यता और गरिमा के अनुरूप होंगे। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस आयोजन में शामिल होंगे।

कमजोर मांग से सोना 9,050 रुपए टूटा, चांदी में 10,500 रुपए की गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कमजोर घरेलू मांग और सुस्त वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 9,050 रुपए टूटकर 1.43 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 10,500 रुपए की गिरावट के साथ 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपए प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 9,050 रुपए या लगभग छह प्रतिशत टूटकर 1,43,600 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया।

चांदी भी 10,500 रुपए या 4.36 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 2,40,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''कीमती धातुओं में पिछले सप्ताह की गिरावट बढ़ गई। सोमवार को दिन के कारोबार के दौरान में हाजिर सोना चार महीने के निचले स्तर पर फिसल गया।'' उन्होंने तेज गिरावट के लिए पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को जिम्मेदार ठहराया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची हो गईं और मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ गईं। इससे कठोर मौद्रिक नीति रुख की आशंका बढ़ गई।

स्वतंत्र निदेशक जिम्मेदारी से काम करें, बिना सबूत कोई आक्षेप न लगाएं : सेबी प्रमुख

मुंबई/भाषा। एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे के कुछ दिन बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्र निदेशकों से अपेक्षा की जाती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें और बिना ठोस सबूत के कोई आक्षेप न लगाएं।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब चक्रवर्ती ने नैतिकता और मूल्यों से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद निवेशकों की चिंता बढ़ने से एचडीएफसी बैंक के शेयर में तेज गिरावट भी देखी गई। पांडेय ने कहा कि स्वतंत्र निदेशकों की जिम्मेदारी अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा करना है और उन्हें जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए।

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में 'भरोसेमंद साझेदार' बनकर उभरा: उपराज्यपाल संधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में एक 'भरोसेमंद साझेदार' बनकर उभरा है।

भारत मंडपम में 'बिजनेस बियांड बांउड्रीज' (सीमाओं से परे व्यापार) विषय पर इंडिया सॉफ्ट के 26वें संस्करण को संबोधित करते हुए संधू ने कहा कि भारत वैश्वीकरण में सिर्फ़ एक भागीदार होने से आगे बढ़कर अब इसे 'आकार देने वाला' बन रहा है। सरकारी बयान के अनुसार, संधू ने कहा कि आज सीमाएं सिर्फ़ भूगोल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें नियामकीय ढांचा, डेटा गवर्नेंस, आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरियां और भू-राजनीतिक पहलू भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''सीमाओं से परे व्यापार का विचार इन सीमाओं को नज़रअंदाज़ करने के बारे में नहीं है। यह उन्हें समझने, उनसे निपटने और जहां संभव हो, उनके साथ तालमेल बिठाने के बारे में है।'' वैश्वीकरण में आ रहे बदलावों पर ज़ोर देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि हाल के व्यवधानों, जिनमें कोविड-19 महामारी भी शामिल है, ने केंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरी को उजागर कर दिया है, जिससे अब मज़बूती और विविधीकरण की ओर कदम बढ़ाए जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी की भूमिका पर ज़ोर देते हुए संधू ने कहा कि डिजिटल मंचों ने व्यवसायों को पारंपरिक बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया है, साथ ही डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़ी ज़िम्मेदारियां भी बढ़ाई हैं। संधू ने वैश्विक व्यापार में 'एमएसएमई' और स्टार्टअप की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

महाराष्ट्र: स्वयंभू बाबा खरात के खिलाफ दो और मामले दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ दो और मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक महिला ने खरात पर तीन साल की अवधि में उससे कई बार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद उसे 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि नए मामले सात महीने की एक गर्भवती महिला के कथित यौन शोषण और एक अन्य महिला को दोबारा शादी कराने का झांसा देकर उसका शोषण किये जाने से संबंधित हैं।

अधिकारी ने कहा, ''नवंबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच खरात ने कनाडा कॉर्नर स्थित अपने कार्यालय में गर्भवती महिला से दुष्कर्म किया। उसने महिला को स्वस्थ संतान की प्राप्ति के लिए अनुष्ठान करने का वादा किया था। महिला की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, दुष्ट और अघोरी प्रथाओं एवं काला जादू की रोकथाम एवं उन्मूलन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।'' अधिकारी ने बताया कि दूसरा मामला एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया, जिसने कहा कि उसने और उसके परिजन ने उसकी शादी तय करने के लिए पहली बार 2013 में खरात से मुलाकात की थी। अधिकारी ने कहा, ''शिकायतकर्ता की शादी हो जाने के बाद भी खरात उसका शोषण करता रहा। शादी टूटने के बाद खरात ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि वह उसकी दोबारा शादी करवा देगा। उसने उसके साथ दुष्कर्म करना जारी रखा। उसने 21 मार्च को शिकायत दर्ज कराई। खरात के खिलाफ सभी तीन मामले सरकारवाड़ा थाने में दर्ज किए गए हैं।'' अधिकारी ने बताया कि पुलिस की जांच में पता चला है कि खरात लोगों को रिमोट से चलने वाले 20 फुट लंबे नकली सांप और बाघ की नकली खाल से डराता था तथा साथ ही इमली के बीज 100 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीदकर उन्हें पॉलिश करवाकर 10000 रुपए में रत्न बताकर बेचता था।

विभिन्न देशों में गैस के दाम में वृद्धि के बावजूद मोदी सरकार ने राहत दी है : भाजपा सांसद

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण विश्व के विभिन्न देशों में गैस और डीजल के दाम में काफी वृद्धि होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिस्थितियों में सरकार ने आम लोगों को राहत दी है, लेकिन विपक्ष उसकी तारीफ करने के बजाय शिकायत कर रहा है। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण अमेरिका, कंबोडिया, वियतनाम, सिंगापुर, दुबई और पड़ोसी देश पाकिस्तान में गैस और डीजल की दरों में कई गुना वृद्धि हुई है।

दुबे ने कहा कि अमेरिका में गैस और डीजल की दरों में 20 प्रतिशत, कंबोडिया में 68 प्रतिशत, वियतनाम में 50 प्रतिशत, सिंगापुर में 16 प्रतिशत, दुबई में 23 प्रतिशत और पाकिस्तान में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कार्यालयों में चार दिन ही काम हो रहा है। भाजपा सांसद ने कहा कि वैश्विक संकट की स्थिति में यदि ''हमने आम लोगों को राहत दी है तो विपक्ष के सदस्य उसकी सराहना करने के बजाय शिकायत कर रहे हैं।'' उन्होंने विश्व मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दो प्रतिशत है, चीन में 4.8 प्रतिशत है और जर्मनी में 0.2 प्रतिशत है, वहीं भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'सिक्युरिटी ट्रांजिक्शन टैक्स' (एसटीटी) बढ़ाया है।

प. एशिया घटनाक्रमों पर बारीक नजर है भारत की : जायसवाल

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले को पांच दिन के लिए स्थगित करने की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद भारत ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने ईरान के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है, और अमेरिका ईरानी ऊर्जा स्थलों पर हमलों को पांच दिन के लिए टाल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई विवरण साझा किए बिना यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के ''पूर्ण और समग्र समाधान'' के लिए अमेरिका तथा ईरान के बीच ''सार्थक बातचीत'' हुई है।

दो-तिहाई भरे हुए हैं भारत के रणनीतिक तेल भंडार : गोपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि भारत के रणनीतिक तेल भंडार मौजूदा समय में दो-तिहाई भरे हुए हैं तथा आपूर्ति संकट के दौरान अल्प-अवधि में यह बफर का काम कर सकता है।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88% आयात करता है। कच्चे तेल के भंडारण के लिए तीन स्थानों - आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम और कर्नाटक में मंगलुरु और पडूर - में कुल 53.3 लाख टन की क्षमता वाली रणनीतिक भूमिगत भंडारण की व्यवस्था है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को बताया कि सरकार ने एक विशेष प्रयोजन कंपनी इंडियन स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) के माध्यम से 53.3 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल के भंडारण के लिए आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक में 3 स्थानों पर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की स्थापना की है जो आपूर्ति संकट में अल्प-अवधि के दौरान बफर का कार्य कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ''बाज़ार परिस्थितियों के कारण, भंडार किए गए कच्चे तेल की मात्रा बदलती रहती है। वर्तमान में आईएसपीआरएल के पास लगभग 33.72 लाख मीट्रिक टन का भंडार है जो कुल भंडारण क्षमता का लगभग 64% है।'' मंत्री ने कहा कि भंडार तथा वास्तविक खपत पर आधारित वास्तविक रिजर्व की संख्या गतिशील रहती है और वे दोनों ही स्थिर नहीं हैं।

आतंकवाद से पीड़ित 438 लोगों के परिजनों को नियुक्ति पत्र दिये गए : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि 2025 से अब तक आतंकवाद से पीड़ित 438 परिवारों के सदस्यों को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज एक आंकड़ा नहीं बल्कि उन परिवारों की 'बिखरी हुई दुनिया' को समेटने का प्रयास है जिन्होंने हिंसा में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

सिन्हा ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रत्येक मामले उन घरों का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां 'हंसी की जगह सन्नाटा छा गया था' और उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें वर्षों तक खुद का भरण-पोषण करना पड़ा, अक्सर व्यक्तिगत नुकसान के अलावा सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ा। उप राज्यपाल ने सोमवार को आतंकवाद के पीड़ितों के 37 परिजनों और सेवा के दौरान जान गंवाने वाले सरकारी कर्मचारियों के 29 परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा, ''अब तक आतंकी हमले से पीड़ित 438 परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। यह महज एक संख्या नहीं है ये 438 बिखरी दुनिया हैं।'' उपराज्यपाल ने आतंकवाद के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद के तंत्र और उसके समर्थकों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया। सिन्हा ने कहा, ''मैं आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारों को आश्वस्त करता हूं कि हम उनके गरिमापूर्ण और सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।''

अधिकारी आत्महत्या मामला : पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने अमृतसर में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि भुल्लर को फतेहगढ़ साहिब जिले के मंडी गोविंदगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि भुल्लर को मंडी गोविंदगढ़ से अमृतसर लाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि भुल्लर को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अमृतसर स्थित पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार तड़के कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह (रंधावा) कथित तौर पर भुल्लर पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाते दिख रहे हैं। भुल्लर ने विवाद के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश पर मंत्री पद से शनिवार को ही इस्तीफा दे दिया था। पुलिस ने शनिवार रात भुल्लर, उनके पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और निजी सहायक दिलबाग सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 351 (3) (आपराधिक धमकी) और 3 (5) (सामान्य इरादा) के तहत एक मामला दर्ज किया था।

संकट के इस समय अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए सरकार की क्या योजना है : सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पश्चिम एशिया से बने हालात से निपटने के लिए सरकार की क्या योजना है और बजट में इसके लिए क्या उपाय किए गए हैं।

सुले ने वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य का उल्लेख किया कि उन्होंने कहा है कि यह पश्चिम एशिया के संकट से उसी तरह निपटना होगा जिस तरह कोविड के हालात से देशवासी निपटे थे। उन्होंने कहा, ''क्या कोविड जैसी स्थिति है तो वित्त मंत्री को बताना चाहिए कि अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए सरकार की क्या योजना है।'' सुले ने कहा कि कोई नहीं जानता कि यह संकट कितने समय तक चलने वाला है, ऐसे में सरकार बताए कि वह इस बजट में इसके लिए क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के समय बाजार ने अच्छी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन आज हालात चिंताजनक हैं।

सुले ने कहा, ''हम असाधारण संकट से जूझ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भी यह कहा है।'' उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब पार्टी विपक्ष में थी तो उसके नेता रुपए के डॉलर के मुकाबले गिरने पर मजाक उड़ाते थे, लेकिन आज रुपया 94 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। कांग्रेस सदस्य वर्षा गायकवाड़ ने देश में एलपीजी संकट का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि यह सरकार नाकामी को उपलब्धि दिखाने का प्रयास करती है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद अभय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह बजट देश की सचाई से ज्यादा सरकार के प्रचार-प्रसार को दर्शाता है और सरकार आर्थिक संकट को छिपाने का प्रयास कर रही है। वहीं, सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी ने कहा कि वित्त विधेयक इस बात का प्रमाण है कि यह सरकार 'इलेक्शन' (चुनाव) के लिए नहीं, बल्कि अगली 'जेनरेशन' (पीढ़ी) के लिए काम करती है।

वाईएसआर कांग्रेस के पीवी मिथुन रेड्डी ने कहा कि देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पहली बार हवाई अड्डे के रनवे के नीचे बनेगा अंडरपास : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि शहर में यातायात दबाव को कम करने के लिए बेगमपेट हवाई अड्डे के रनवे के नीचे एक भूमिगत सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया में ऐसा पहली बार होगा। उन्होंने विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि सरकार उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्रियों डी श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर के साथ एक कैबिनेट उप-समिति का गठन करेगी, ताकि विपक्षी सदस्य मूसी नदी तट विकास परियोजना पर अपने सुझाव दे सकें। उन्होंने कहा, हमने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से बेगमपेट हवाई अड्डे के रनवे के नीचे अंडरपास बनाने की अनुमति ली है। दुनिया में कहीं भी हवाई अड्डे के रनवे के नीचे अंडरपास नहीं है। हमने केंद्र सरकार को इसके लिए राजी किया है और कार्य प्रगति पर है। उन्होंने मूसी नदी तट विकास परियोजना पर कहा कि राज्य सरकार उन सभी लोगों के पुनर्वास के लिए तैयार है, जिनकी जमीन या घर इस परियोजना के तहत लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई जैसे बड़े महानगर प्रदूषण, खराब जल निकासी व्यवस्था और यातायात जाम जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की स्थिति बेहतर है। हालांकि, रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि अभी सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में हैदराबाद को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उनके अनुसार, कांग्रेस सरकार ने राज्य को तीन क्षेत्रों में विभाजित करके विकास कार्य शुरू किया है: 'कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी' (सीयूआरई), 'पेरी अर्बन रीजन इकोनॉमी' (पीयूआरई) और 'रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकोनॉमी' (आरएआरई)।

रेड्डी ने कहा कि 'सीयूआरई' क्षेत्र के भीतर स्थित सभी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को 'पीयूआरई' क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि शहर में रहने वाले लोगों के लिए अधिक जगह उपलब्ध हो सके।

अन्नाद्रमुक ने सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया, भाजपा 27 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने सोमवार को भाजपा सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक दलों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था को सोमवार को अंतिम रूप दे दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के शीर्ष नेता अंबुमणि रामदास और अम्मा मक्कम मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दिनाकरन सहित गठबंधन दलों के नेताओं की उपस्थिति में, अन्नाद्रमुक प्रमुख के. पलानीस्वामी ने पार्टी मुख्यालय में सीट बंटवारे की घोषणा की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए गठबंधन के नेताओं ने पुष्टि की कि भाजपा 27 सीटों पर, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) 18 सीटों पर और टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि आंतरिक विचार-विमर्श अभी भी जारी है, जिसमें नेता सहयोगियों को समायोजित करने और प्रमुख गढ़ों को बरकरार रखने के बीच संतुलन बनाने के इच्छुक हैं। अन्नाद्रमुक कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी, इस बारे में पूछे जाने पर, पलानीस्वामी ने कहा कि कुछ पार्टियों के साथ बातचीत जारी है और इसे अंतिम रूप दिये जाने के बाद जानकारी साझा की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के शीर्ष नेता अंबुमणि रामदास और अम्मा मक्कम मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दिनाकरन की मौजूदगी में पलानीस्वामी ने विश्वास व्यक्त किया कि गठबंधन कुल 234 विधानसभा सीट में से कम से कम 210 सीट जीतेगा।

सीट बंटवारे के सिलसिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के लिए दिल्ली जाने को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) द्वारा की गई आलोचना पर उन्होंने सवाल उठाया कि द्रमुक सांसद कनिमोझी ने हाल में दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात क्यों की। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर राजग नेता दिल्ली जाते हैं, तो मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी करना एक आदत बन गई है।

अन्नाद्रमुक महासचिव के पलानीस्वामी ने यहां पार्टी मुख्यालय 'पुरची थलाइवर एमजीआर मालीगई' में संवाददाता सम्मेलन कहा कि अन्य सहयोगियों के साथ भी बातचीत जारी है और यह आज रात तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन के घटक दल जिन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे, उनके नाम जल्द ही तय कर लिए जाएंगे। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को चुनाव होंगे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य घटक दलों में पूर्व केंद्रीय मंत्री जी के वासन के नेतृत्व वाली तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) और इंडिया जननायक काची (आईजेके) शामिल हैं। हाल के दिनों में गठबंधन के भीतर बातचीत में गतिरोध आ गया था, विशेष रूप से भाजपा की 50 से अधिक सीटों की प्रारंभिक मांग को लेकर, जिसमें चेन्नई के टी नगर जैसे हाई-प्रोफाइल निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल थे। हालांकि, एआईएडीएमके ने कहा कि वह अपने मूल चुनावी आधार को कमजोर किए बिना सीमित संख्या से अधिक सीटों पर समझौता नहीं कर सकती। गतिरोध के चलते एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को पिछले सप्ताह नई दिल्ली जाना पड़ा, जहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

टीवीके ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

पुडुचेरी। पुडुचेरी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने रविवार को घोषणा की कि वह सभी 30 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उम्मीदवारों की सूची में दो महिलाओं के नाम भी शामिल हैं, जिन्हें पुडुचेरी क्षेत्र के मंगलम और कादिरकमम से प्रत्याशी बनाया गया है। टीवीके ने तिरुभुवनई (सुरक्षित) सीट से ए. के. साई जे. सरवनन कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। औसुडु (सुरक्षित) सीट से दोबारा चुनाव लड़ने के लिए टिकट न मिलने के बाद सरवनन कुमार ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा दे दिया था। अन्ना द्रमुक के पूर्व विधायक के. ए. यू. असना और एल. पेरियासामी क्रमशः कराईकल (दक्षिण) और नेट्टापक्कम (सुरक्षित) सीट से टीवीके के उम्मीदवार हैं। टीवीके ने भाजपा की पुडुचेरी इकाई के पूर्व अध्यक्ष वी. समिनाथन को लॉस्पेट सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पुडुचेरी के पूर्व पुलिस उप महानिरीक्षक वी. जे. चंद्रन और कांग्रेस के पूर्व विधायक एन. धानावेलू को भी टीवीके ने टिकट दिया है। पार्टी ने शेष निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भी अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है।

किसी राज्य पर हिंदी सहित कोई भी भाषा नहीं थोपी जा रही : जयंत चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी भाषा नहीं थोप रही। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। तमिलनाडु के सदस्य ने उनके राज्य का समग्र शिक्षा अभियान के तहत बकाया धन जारी नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत तीन भाषा के फार्मूले को लेकर चिंता जताई।

चौधरी ने अपने उत्तर में कहा, ''एनईपी में स्पष्ट रूप से छात्रों को बहुभाषाएं सिखाने से उनके शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख है। सभी राज्यों को स्कूलों में तीन भाषाओं को सिखाने का ढांचा बनाना चाहिए। कम से कम 15 साल तक के बच्चों को विशेष रूप से दो भाषाओं में दक्षता होनी चाहिए जो मातृभाषा हों। तीसरी भाषा पूरी तरह मांग पर आधारित है।'' उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान 2.0 के तहत राज्यों को शिक्षकों की नियुक्ति आदि में मदद करती है।

तमिलनाडु में तीन भाषाओं के फार्मूले को लागू करने पर द्रमुक सांसद की चिंता पर चौधरी ने कहा, ''मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनईपी 2020 में कहीं भी हिंदी समेत किसी भाषा को थोपने की बात नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जनगणना 2011 के 'भाषा एटलस' के अनुसार तमिलनाडु में 96 भारतीय भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। चौधरी ने कहा कि एनईपी में तीन भाषाओं में दो मातृभाषाओं को सिखाने की बात है।

उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं को लागू करने की बात भी दो भाषाओं के फार्मूले, जिसे द्रमुक भी तमिलनाडु में स्वीकार करती है, के साथ ही लागू है। शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि इसमें लचीलापन है। उन्होंने यह दावा भी किया कि तमिलनाडु ने मार्च 2024 में पीएमश्री योजना पर समझौता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन उन्होंने अभी तक यह करार नहीं किया है। इस पर द्रमुक के कुछ सदस्यों को आपत्ति जताते सुना गया।

चौधरी ने कहा, ''अगर आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सहमत हैं तो आपको पीएमश्री योजना भी लागू करनी चाहिए। इसे देश में 14 हजार से अधिक स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है। तमिलनाडु में इसे लागू नहीं किए जाने से वहां के छात्र अलग-थलग महसूस कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत तमिलनाडु को 538 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं और आगे के अनुदान की प्राप्ति के लिए राज्य

इंडियन बैंक ने अवसंरचना बॉन्ड के जरिये जुटाए 5,000 करोड़ रुपये

चेन्नई/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने 10 वर्ष की अवधि वाले दीर्घकालिक अवसंरचना बॉन्ड जारी कर 7.15 प्रतिशत की कूपन दर पर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, बैंक को 7.13 प्रतिशत कूपन दर पर कुल 3,100 करोड़ रुपये के लिए दो बोलियां मिलीं। इसके अलावा 7.14 प्रतिशत और 7.15 प्रतिशत कूपन दर पर क्रमशः 4,100 करोड़ रुपये तथा 5,050 करोड़ रुपये की दो-दो बोलियां प्राप्त हुईं। बाजार प्रतिभागियों ने बताया कि बैंक को 5,075 करोड़ रुपये की एक और बोली भी मिली। बैंक की योजना 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की थी जिसमें 3,000 करोड़ रुपये का ग्रीन-शू विकल्प भी शामिल था। इन बॉन्ड को 'केयर और क्रिसिल ने स्थिर' दृष्टिकोण के साथ 'एएए' श्रेणी की रेटिंग दी है। बॉन्ड के लिए भुगतान एवं आवंटन 24 मार्च को होगा।

तमिलनाडु में भूजल स्तर में आई तीव्र गिरावट ने गर्मी के मौसम से पहले बढ़ाई चिंता

चेन्नई। तमिलनाडु में भूजल स्तर में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। सरकारी जल संसाधन विभाग के अंतर्गत राज्य भूजल और सतही जल संसाधन डेटा सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 38 में से 29 जिलों में फरवरी में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में भूजल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि दिंडीगुल और तिरुपुर जिलों में भूजल स्तर में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है, जहां दोनों जिलों में भूजल स्तर 2.58 मीटर तक गिर गया है। इसके बाद कोयंबटूर में 2.07 मीटर की गिरावट आई, जबकि सलेम (1.68 मीटर), धर्मपुरी (1.62 मीटर), करूर (1.54 मीटर) और पेराम्बालुर (1.20 मीटर) में भी भूजल स्तर में उल्लेखनीय कमी देखी गई। इन तीव्र गिरावटों से राज्य के पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में भूजल भंडारों पर बढ़ते दबाव का संकेत मिलता है।

कई अन्य जिलों में भी मामूली गिरावट देखी गई। मदुरै में 1.27 मीटर की गिरावट दर्ज की गई, जबकि विरुधुनगर और पेरंबालूर में 1.20 मीटर की गिरावट आई। नमक्कल (1.08 मीटर) और इरोड (1.10 मीटर) में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। उत्तरी तमिलनाडु में, तिरुवल्लूर में 0.99 मीटर और तिरुवनमलाई में 0.85 मीटर की गिरावट दर्ज की गई, जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर भूस्खलन को दर्शाती है। इसके विपरीत, तटीय और डेल्टा जिलों में अपेक्षाकृत मामूली बदलाव दर्ज किए गए। नागपट्टिनम में सबसे कम गिरावट मात्र 0.03 मीटर दर्ज की गई, इसके बाद नीलगिरि (0.04 मीटर) और तिरुवरूर (0.11 मीटर) का स्थान रहा, जो इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत स्थिर भूजल स्थिति का संकेत देता है। जल स्तर में कमी की मात्रा विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि तमिलनाडु में 2025 में 12 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई थी।

साधारण जीवन से ऐतिहासिक शिखर तक प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में निर्वाचित सरकार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बन गए हैं, उन्होंने सार्वजनिक पद पर 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं।

तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में उन्हें बधाई दी। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि 7 अक्टूबर 2001 से 22 मार्च 2026 तक 24 वर्ष और 5 महीने के अटूट नेतृत्व का प्रतीक है। एक साधारण परिवार में जन्मे युवा मोदी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचा करते थे, और माँ की कठिनाइयों और गरीबों के दैनिक संघर्षों से उनका हृदय अत्यंत आहत था। तब भी उनके मन में एक गहरा सपना था: प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ जल, सुरक्षित स्वच्छता, पक्का मकान और विश्वसनीय बिजली मिलनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण, विधवाओं की आत्मनिर्भरता और समाज के सबसे निचले तबके के व्यक्ति के सम्मान का सपना देखा था। निस्वार्थ सेवा की इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। जमीनी स्तर पर काम करते हुए उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपना करियर बदला और तब से लगातार तीन कार्यकालों तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नेतृत्व करते हुए शासन में अभूतपूर्व स्थिरता और ईमानदारी लाई है। उनके बचपन के सपने राष्ट्रीय मिशन बन गए हैं स्वच्छ भारत, जल जीवन मिशन, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों का उत्थान किया है, विशेष रूप से महिलाओं और वंचितों को सशक्त बनाया है। उनके कार्यकाल में भारत राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, केदारनाथ और चार धाम परियोजनाओं के माध्यम से एक शानदार सभ्यतागत पुनरुत्थान का भी साक्षी बन रहा है - जो हमारी प्राचीन विरासत को आधुनिक प्रगति से फिर से जोड़ रहा है। इस निरंतर नेतृत्व ने भारत को वैश्विक दक्षिण की एक आत्मविश्वासपूर्ण आवाज के रूप में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया है, जो सभ्यतागत ज्ञान को लोकतांत्रिक शक्ति और सौम्य शक्ति के साथ मिश्रित करता है। जैसे-जैसे हम 2047 में विकसित भारत के स्वर्णिम दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं, मोदी युग एक आधुनिक स्वर्ण युग के रूप में खड़ा है, जो चोल, गुप्त और विजयनगर साम्राज्य के गौरवशाली शासनकाल की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण यात्रा इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि सच्ची निष्ठा और अथक सेवा से एक राष्ट्र का रूपांतरण हो सकता है। इस पवित्र मिशन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार ने नौ अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया

पुडुचेरी। पुडुचेरी के उपराज्यपाल ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नौ अप्रैल को परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

पुडुचेरी प्रशासन के गृह विभाग द्वारा सोमवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के सभी सरकारी कार्यालयों, संस्थानों, स्थानीय निकायों, वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में छुट्टी घोषित की गई है ताकि उनमें कार्यरत कर्मचारी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उपराज्यपाल ने सरकार के विभिन्न विभागों के दैनिक वेतनभोगियों के लिए नौ अप्रैल को सवैतनिक अवकाश की भी घोषणा की। केंद्र शासित प्रदेश में नौ अप्रैल को चुनाव होंगे।

वरिष्ठ खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई। हॉकी की बेहतरीन कवरेज के लिए मशहूर वरिष्ठ खेल पत्रकार एस. त्यागराजन का सोमवार को यहां बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को चेन्नई में हुआ। छह ओलंपिक और नौ एशियाई खेल कवर कर चुके त्यागराजन 1962 से 2013 तक 'द हिंदू' समाचार पत्र के लिए काम करते रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1961 में 'द इंडियन एक्सप्रेस' से की थी। 'द हिंदू' के खेल संपादक के.सी. विजय कुमार ने एक्स पर लिखा, द हिंदू के लिए कई दशक तक काम करने वाले हॉकी पत्रकारिता के दिग्गज वरिष्ठ खेल संवाददाता एस. त्यागराजन का निधन हो गया।''

त्यागराजन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) की मीडिया और संचार से जुड़ी कई समितियों में भी रहे। वह भारतीय खेल पत्रकार संघ और तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ के भी पूर्व अध्यक्ष रहे। पूर्व भारतीय कप्तान-सह-कोच और 1980 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता वासुदेवन भास्करन ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर ''त्यागु'' के नाम से जाने जाने वाले त्यागराजन ने उनके पूरे करियर को कवर किया और हमेशा उनका समर्थन किया। भास्करन ने पीटीआई से कहा, जब मैंने 1969 में हॉकी खेलना शुरू किया, तब वह इस खेल को कवर कर रहे थे और 'द हिंदू' के लिए कॉलेज स्तर की हॉकी की रिपोर्टिंग करते थे। वहीं से उन्हें पहचान मिली। खेल के प्रति उनकी निष्ठा, प्रेम और ज्ञान बेमिसाल था। उन्होंने कहा, यह भारतीय खेलों के लिए बेहद दुखद है, क्योंकि हॉकी के अलावा वह एथलेटिक्स के भी उत्कृष्ट पत्रकार थे। भारतीय हॉकी में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार और हॉकी इतिहासकार के. अरुमुगम ने भी त्यागराजन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं उन्हें 30 वर्षों से अधिक समय से जानता था। वह एक सर्वगुण संपन्न पत्रकार थे। वे सिर्फ हॉकी ही नहीं, बल्कि खेल के सभी पहलुओं पर पकड़ रखते थे। अरुमुगम ने कहा, वैश्विक स्तर पर उन्हें काफी सम्मान प्राप्त था और उनके ज्ञान को व्यापक रूप से सराहा जाता था। भारतीय खेल पत्रकार संघ ने त्यागराजन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

हिरासत में यातना के कारण हुई मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मी दोषी करार

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को प्रदेश के थूथुकुडी जिले के साथनकुलम में 2020 में एक व्यक्ति और उसके बेटे को हिरासत में यातना देने के मामले में सभी नौ आरोपी पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया। पुलिस हिरासत में याताना के बाद पिता-पुत्र की मौत हो गयी थी। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित कर दिया है और पुलिसकर्मियों को दोषी पाया गया है। दोषी पुलिसकर्मियों को 30 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। मोबाइल फोन की दुकान के मालिक पी जयराज (59) और उनके बेटे जे बेनिक्स (31) को कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के नियमों के कथित उल्लंघन के संबंध में 19 जून 2020 को साथनकुलम पुलिस थाने ले जाया गया था। कोविलपट्टी उप-जेल में हिरासत के दौरान कथित क्रूर यातना दिये जाने के बाद पिता और पुत्र की 23 जून को मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस निरीक्षक एस श्रीधर, उपनिरीक्षक के बालकृष्णन, पी रघुगणेश, मुख्य आरक्षी एस मुरुगन और ए समीदुराई समेत 10 पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप था। इसकी शुरुआती जांच सीबी-सीआईडी ने की थी, जिसे बाद में सीबीआई ने हाथ में ले लिया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से होगा दिलचस्प मुकाबला

रोहित माहेश्वरी
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण भारत की राजनीति में तमिलनाडु हमेशा से एक विशिष्ट प्रयोगशाला रहा है। यहां की राजनीति लंबे समय तक द्रविड़ विचारधारा और क्षेत्रीय अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पिछले पांच दशकों से सत्ता का केंद्र लगभग दो दलों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच बंटा रहा है। लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव इस पारंपरिक द्वंद्व से आगे निकलकर नए राजनीतिक समीकरणों की आहट दे रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है। राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं।

दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं। इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है। हालांकि, कांग्रेस ने अंततः द्रमुक के साथ ही अपना गठबंधन बरकरार रखा। इसके बाद टीवीके के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने और विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश जैसी खबरें भी सामने आईं। लेकिन इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए विजय ने एक इफ्तार कार्यक्रम में साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। उन्होंने घोषणा की कि टीवीके अपने दम पर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं, सीमान की पार्टी नाम तमिलर कच्ची भी हर बार की तरह अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। इस प्रकार राज्य में चार प्रमुख मोर्चे बन गए हैं। चुनावी आंकड़ों की बात करें तो तमिलनाडु में कुल 5.67 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 44 सीटें अनुसूचित जाति और 2 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। पहली बार वोट डालने वाले 18-19 साल के करीब 12.51 लाख युवा मतदाता इस चुनाव को खास बना रहे हैं। इसके अलावा 4.63 लाख दिव्यांग मतदाता, 7,617 थर्ड जेंडर वोटर और लगभग 3.99 लाख वरिष्ठ नागरिक 85 वर्ष से ज्यादा के उम्र के भी इस चुनाव में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार के द्रविड़ मॉडल पर इस बार एंटी-इनकम्बेंसी, कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व विरोध और परिवारवाद के मुद्दे हावी हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लगभग दस वर्ष बाद सत्ता में वापसी की थी। उस समय जनता ने तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी और नेतृत्व संकट को देखते हुए परिवर्तन का फैसला किया था। लेकिन राजनीति में पांच वर्ष लंबा समय होता है। अब वही डीएमके सरकार जनता की कसौटी पर है। क्योंकि इस अवधि की ढेर सारी कमियों का चुनावी हथियार विपक्ष के हाथ लग गया है। तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा से क्षेत्रीय पहचान, भाषा और सामाजिक न्याय के मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं। द्रविड़ आंदोलन की विरासत ने यहां की राजनीति को इस तरह आकार दिया कि राष्ट्रीय दल लंबे समय तक हाशिये पर रहे। लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा ने राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत बनाई है। विशाल भाजपा कार्यकर्ता नेटवर्क के सहारे जमीनी पकड़ और मजबूत करने के कारण आगामी विधानसभा चुनाव केवल दो क्षेत्रीय दलों की लड़ाई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय मुद्दे बनाम राष्ट्रीय राजनीति की एक नई परीक्षा बन गया है। आने वाले महीनों में राजनीतिक बयानबाजी, गठबंधन की रणनीतियां और चुनावी अभियान यह तय करेंगे कि द्रविड़ राजनीति की यह धरती एक बार फिर पुरानी परंपरा को दोहराएगी या नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत करेगी।

तमिलनाडु की राजनीति में एंटी-इनकम्बेंसी का इतिहास मजबूत रहा है। कई चुनावों में देखा गया कि सत्ता में बैठी पार्टी अगले चुनाव में हार गई। ऐसा परिदृश्य इस बार और पुरजोर अंदाज में दिखाई दे रहा है। खासकर दलित, वंचित, ग्रामीण और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए डीएमके सरकार ने कोई करिश्माई काम नहीं किया है। इसके चलते चुनाव में डीएमके को इन वर्गों का व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा है। इसलिए एंटी-इनकम्बेंसी डीएमके को नुकसान पहुंचा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं में देरी, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे धीरे-धीरे असंतोष पैदा कर रहे हैं। विपक्ष इन्हीं मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा रहा है, जो चुनावी परिणाम प्रभावित कर सकते हैं।

तमिलनाडु में बीजेपी की स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार और वैचारिक अभियान के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाने के तेज प्रयास किए हैं। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन मजबूत होने के चलते कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने के बजाय सीधे सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच हो सकता है। इस स्थिति में बीजेपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं। इससे राज्य की राजनीति में उसकी भूमिका अधिक महत्वपूर्ण बन सकती है।

असल में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं, बल्कि द्रविड़ राजनीति के भविष्य का भी परीक्षण है। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन एंटी-इनकम्बेंसी, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चुनाव को धार देने की कोशिश कर रहा है। यदि विपक्ष एकजुट होकर मजबूत अभियान चलाता है तो मुकाबला कड़ा होगा। इस प्रकार यह चुनाव केवल सीटों की लड़ाई नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीतिक दिशा तय करने वाला निर्णायक संघर्ष बन सकता है। भाजपा समेत विपक्ष अप्रत्याशित प्रदर्शन राज्य की राजनीति में नए गठबंधन और नई रणनीतियों का दौर शुरू कर सकता है। इसी कारण आगामी चुनाव को केवल सीटों की गणना के रूप में नहीं बल्कि तमिलनाडु की सामाजिक-राजनीतिक चेतना की नई परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

द्रमुक गठबंधन 2019 से लगातार चुनाव जीतता आ रहा है, जो उसकी बड़ी ताकत मानी जा रही है। वहीं अन्नाद्रमुक पिछली हार की भरपाई के इरादे से भाजपा और सहयोगी दलों के साथ रणनीति बना रही है। सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा भले ही अभी बाकी हो, लेकिन अंदरूनी स्तर पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। इधर, अन्य दल जहां गठबंधन में व्यस्त हैं, वहीं नाम तमिलर कच्ची पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर चुनाव प्रचार शुरू कर चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 8 प्रतिशत वोट शेयर मिलने से पार्टी का मनोबल भी बढ़ा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार के चार-कोणीय मुकाबले में किसी भी दल के लिए जीत आसान नहीं होगी, जिससे तमिलनाडु का चुनाव बेहद रोमांचक होने की संभावना है।

युवा भारत की मूल जड़ो को पहचानें और विकास में सहभागी बने : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उम्मीद जताई है कि देश के युवाओं और नागरिकों के वर्तमान जज़्बे को देखते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत का संकल्प समय से पहले ही साकार हो जाएगा । देवनानी सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के मानविकी पीठ सभागार में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएनएस)द्वारा विकसित भारत 2047 समर्थ युवा-सशक्त भारत प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो अल्पना कटेजा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशालय श्री एस एस भटनागर थे। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का सपना नहीं बल्कि अब हर भारतीय का संकल्प बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की कोई महाशक्ति बनने की होड़ में नहीं है बल्कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना से पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हुए पहले की तरह एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। भारत सदैव विश्व का मार्गदर्शक रहा है और आगे भी बना रहेगा। आज के युवकों को भलीभांति यह बात समझनी होगी कि मेरा भारत महान और सबसे सर्वश्रेष्ठ है।

उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े युवाओं का आह्वान किया कि वे भारत की मूल जड़ो को पहचाने और एआई के वर्तमान समय में युगानुकूल होते हुए नवाचारों और प्राचीन ज्ञान का समन्वय करके विकास की महान यात्रा में भारत की संस्कृति को आत्मसात करते हुए सहभागी बने। साथ ही सेवा की संस्कृरति को अपने जीवन का अंग बनाएं। विधानसभाध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि हम सभी भारतवासियों को इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम सदियों पहले से ही विश्व गुरु और विकसित सभ्यता और संस्कृति वाला देश रहें है । वास्कोडिगामा ने भारत को नहीं खोजा था बल्कि भारत ने पूरे विश्व को खोजा है। समुद्र में रास्ता भटके वास्कोडिगामा को तो गुजरात का एक नाविक भारत तक लाया था। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारत हमेशा से ही ज्ञान का केन्द्र रहा है और सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, तकनीकी आदि जीवन के हर क्षेत्र में विश्व में सबसे आगे रहा है लेकिन दो हजार वर्षों की गुलामी के कारण हम अपनी मूल जड़ों और पहचान को भूल गए थे । अंग्रेजों ने भारत के लोगों को सिर्फ कलर्क बना उनकी प्रतिभा को पंगु बनाने का प्रयास किया वरना वेद, पुराणों और उपनिषदों के साथ ही रामायण एवं महाभारत जैसे महान ग्रन्थ भारत की महान सभ्यता और संस्कृति के साथ ही ज्ञान के अपार भण्डार है जिन्हें आज की युवा पीठी को पढ़ना और आत्मसात करना चाहिये । विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने बताया कि चाहें रामायण कालीन पुष्पक विमान की बात हों, अथवा प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी की सूंड की सर्जरी की बात हो,हमारी सभ्यता और संस्कृति में हर क्षेत्र में भारत के सर्वश्रेष्ठ होने की बात को दर्शाया गया है। गणित का ज्ञान भी विश्व को भारत ने ही दिया है।आर्युवेद और योग भी की भारत की देन है जिसे आज सारा विश्व अंगीकार कर रहा है ।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज हर वर्ष विश्व योग दिवस मनाया जाने लगा है। स्वास्थ्य के प्रति यह क्रान्ति भारत की देन है । ढाई हजार वर्ष पुरानी अजन्ता और एलोरा की गुफाओं की पेंटिंग हमारी पुरानी केमिकल इंजीनियरिंग को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि मैंने अपनी जर्मनी जापान आदि देशों की यात्राओं में स्वयं देखा है कि वहाँ यूजुर्वेद की युक्तियों पर शोध कार्य हों रहे हैं । आज विदेशी भारत आकर पुष्कर और हरिद्वार आदि पवित्र स्थलों की मिट्टी में लौट पौट होते है और कहते है कि हम कितने ही बड़े अमीर क्यों न हों हमें मन की असली शांति तो भारत की मिट्टी में ही मिलती है।आज सर्वे बताते है कि अमेरिका जैसे देश में भी 11 प्रतिशत लोग मानसिक रोगों और 33 प्रतिशत लोग नींद की बीमारी से ग्रसित है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने अपने राष्ट्रीय सेवा योजना शिविरों के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उदयपुर के सुदूर आदिवासी कोटड़ा में उन्होंने जब नया प्रयोग करते हुए एनएसएस छात्रों को आदिवासियों के छप्पर वाले घरों में एक दिन गुजारने भेजा था तो दूसरे दिन अपने अनुभव कथन सुनाते सभी के आँखों में आँसू थे क्यों कि वे इससे पहले कभी गरीब आदिवासियों के जीवन से रूबरू नहीं हुए थे। देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपने जीवन में राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ ही सनातन संस्कृति एवं सेवा संस्कार के भाव भी जागृत करें तथा गरीबों के प्रति संवेदनशील बनें तभी उन्हें यह एहसास हो पायेगा कि सेवा का यह भाव उन्हें किसी भी प्रकार की विलासिता और करोड़ों रुपए के पैकेज से भी अधिक सन्तोष और आत्म संतुष्टि एवं शांति प्रदान करेगा।

भाजपा सरकार में उपेक्षा का शिकार हो रहा राजस्थान का सुढ़ स्वास्थ्य ढांचा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य ढांचा उपेक्षा का शिकार हो रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को बिगड़ते हालात सुधारने के लिए ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा, राजस्थान का सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचा आज उपेक्षा का शिकार होकर दरक रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित विश्वस्तरीय 'हेल्थ मॉडल' को वर्तमान सरकार धराशाई कर रही है। आरजीएचएस (राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना) के अंतर्गत बकाया भुगतान न होने के कारण एक बार फिर निजी अस्पतालों ने ओपीडी और दवा देने संबंधी सेवाएं रोकने की तैयारी कर ली है, जिससे कर्मचारी और पेंशनधारक अधर में हैं।

उन्होंने कहा, साथ ही, चिरंजीवी (एमएए) योजना को शिथिल कर प्रदेशभर के अस्पतालों में इलाज में देरी और आवश्यक दवाइयों की भारी किल्लत पैदा कर दी गई है।

गहलोत ने दावा किया कि जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल और जनाना अस्पताल जैसे बड़े केंद्रों में रक्त की भारी कमी एक बड़ा आपातकाल है जो प्रदेशवासियों के जीवन के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार को चाहिए कि निजी ब्लड बैंक पर लगी रोक अविलंब हटाए ताकि मरीजों की समस्याओं का समाधान हो सके।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चाकसू विधानसभा क्षेत्र के 108 वर्षीय बुजुर्ग गोलूराम माली ने मुझसे मिलने की इच्छा जताई जिनसे मैं कल शाम उनके गांव जाकर मिला। वहां इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में रोकी गई योजनाओं को लेकर भाजपा सरकार के प्रति रोष जताया। गहलोत ने कहा, जब मैं सोशल मीडिया के माध्यम से जनता की इन बुनियादी समस्याओं को उठाता हूं, तो मुख्यमंत्री समाधान निकालने के बजाय अपने कार्यक्रमों में मुझ पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने में व्यस्त रहते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि हम जनता की पीड़ा की आवाज बन रहे हैं, और सरकार को धरातल पर बिगड़ते हालात सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।'

'रंगत' में कथक नृत्य और राजस्थानी लोकगीतों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बिखेरा रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में परिसर में 25 मार्च तक चलने वाले 11 दिवसीय राजस्थान उत्सव में राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोकगीतों और कथक नृत्य ने उत्सव में मनोरंजन के रंग बिखेरे। उत्सव में राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या 'रंगत' में बाड़मेर से आए प्रसिद्ध राजस्थानी लोक कलाकार मगडा खान और उनके 12 सदस्यीय दल द्वारा प्रस्तुत लोक गीतों ने संध्या में उपस्थित लोगों को मंत्रामुग्ध कर दिया। लोक कलाकारों ने उपस्थित आगंतुकों की पसंद के अनुसार राजस्थानी शैली में भरपूर गीत गायन कर दर्शकों का मनोरंजन किया। उत्सव में दिल्ली के प्रसिद्ध श्रीराम भारतीय कला केन्द्र की कथक कलाकारों सुसुकृति अग्रवाल और भीतिका रहेजा ने विश्व प्रसिद्ध कथक गुरू पंडित बिरजू महाराज द्वारा कंपोज 'इठलाती-बलखाती' गाने पर कथक प्रस्तुति कर सभी आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित किया और प्रस्तुत प्रस्तुतियों को देखकर उत्साहित दर्शक वीडियो बनाते दिखे। उत्सव के अवसर पर रूडा और राजीविका द्वारा प्रदर्शित स्टॉल्स पर दर्शकों द्वारा राजस्थानी हस्तकलाकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प के उत्पादों की खूब खरीदी की गई। इसके अतिरिक्त फूड कोर्ट में राजस्थान के प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल्स पर भी भारी मात्रा में दर्शक खानपान करते हुए दिखाई दिए।

उत्सव के शेष 3 दिनों में आगंतुकों को उत्साहित और आकर्षित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक और पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कठपुतली, फैशन शो ढ़ोलामूमल, लोक नृत्य गायन प्रतियोगिता, साफा बंधन प्रतियोगिता, थ्री लेग रेस, रूमाल झपट्टा और रस्साकशी प्रतिस्पर्धाएं करवाई जाएंगी। जिसमें सभी वर्ग के पुरूष और महिला निःशुल्क पंजीकरण करवाकर भाग ले सकते हैं। प्रतिस्पर्धाओं में कमेटी द्वारा बनाए गए जजों द्वारा नियमानुसार विजेताओं का चयन कर उन्हें पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास पर भजनलाल ने की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई भी इसी ध्येय की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दे रहे हैं।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी उम्मीद के साथ आते हैं। ऐसे में अधिकारी इन प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका शीघ्र निस्तारण करें। शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के निस्तारण से बेहद संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसका शीघ्र समाधान करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में जोधपुर के प्रेम हरि प्राणी मात्र सेवा संस्थान से आए संत-महात्माओं का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया एवं उनसे आशीर्वाद लिया। शर्मा ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए। जन सुनवाई में मुख्यमंत्री से 'मुएथई' खेल में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाले राजस्थान के युवा प्रतिभागियों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नारी चौपाल में हजारों महिलाओं की भागीदारी से गूंजे आत्मनिर्भरता के स्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने के उद्देश्य से संचालित सक्षम जयपुर अभियान के तहत नारी चौपाल कार्यक्रम एक प्रभावी जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन चौपालों ने महिलाओं को न केवल अपनी बात रखने का मंच दिया है, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित भी किया है। इसी कड़ी में सोमवार को जोबनेर उपखण्ड में आयोजित नारी चौपाल उत्साह, ऊर्जा और सहभागिता का अद्भुत उदाहरण बनी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लेकर इसे जन-उत्सव का स्वरूप दे दिया।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति के साथ-साथ महिलाओं ने भी अपने आत्मविश्वास, कौशल और नेतृत्व का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड एवं उपखण्ड अधिकारी सर्वेश शर्मा एवं नेहा राठी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित चौपाल में महिलाओं ने आत्मविश्वास, हुनर और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा में चयनित ज्योति मौर्या ने अपनी प्रेरक यात्रा साझा करते हुए उपस्थित महिलाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया।

नारी चौपाल में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया। मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक और आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि समाज को जागरूकता का संदेश भी दिया।

राजधानी जयपुर सहित कई हिस्सों में बारिश

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र का कहना है कि आज सोमवार को भी राज्य में कई जगह बारिश हो सकती है। इसके अनुसार सोमवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में कहींकहीं हल्की बारिश हुई। सर्वाधिक 9.0 मिलीमीटर बारिश भादरा (हनुमानगढ़) में दर्ज की गयी। राज्य की राजधानी जयपुर में सोमवार तड़के से ही अनेक इलाकों में बूंदाबांदी होने, बादल छाए रहने व हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई। आईएमडी के एक प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आज भी भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में हल्की बारिश होगी तथा शेष अधिकांश भागों में आगामी दो-तीन दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। वहीं आगामी दिनों में लगातार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक रूप से बादल छाए रहने व 26-27 मार्च को राज्य के पूर्वी तथा उत्तरी भागों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने का अनुमान है।

सुदृढ़ निगरानी एवं जवाबदेही से मिलेंगे बेहतर परिणाम : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम (टीपीपी) राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से गरीबी उन्मूलन तथा कमजोर एवं वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि समन्वित प्रयासों के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम के लाभ लक्षित वर्गों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाए जाएं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत फरवरी 2026 तक की प्रगति की समीक्षा हेतु सचिवालय में सोमवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की जिला-वार एवं योजना-वार प्रगति की समीक्षा करते हुए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में ऑपरेशन थिएटर पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाए जाएं, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। साथ ही संस्थागत सेवाओं के बेहतर उपयोग एवं स्वास्थ्य अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण को गति देने, मनरेगा के तहत मांग आधारित कार्यों को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से आजीविका सशक्तिकरण को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए गए कि कम प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के लिए जिला-विशिष्ट एवं समयबद्ध सुधार योजनाएं तैयार की जाएं तथा सामाजिक क्षेत्रों में सेवा वितरण को सुदृढ़ कर संस्थागत परिणामों को और बेहतर बनाया जाए।

मुख्य सचिव ने बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तर पर गठित प्रथम एवं द्वितीय स्तर की समितियों की मासिक समीक्षा बैठकों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने के साथ ही डेटा रिपोर्टिंग की शुद्धता एवं समयबद्ध प्रस्तुति पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, फील्ड स्तर पर क्रियान्वयन को और अधिक गति देने तथा नियमित समीक्षा के माध्यम से जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण कुमार, प्रमुख शासन सचिव आयोजना एवं परिवहन भवानी सिंह देथा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) सुशिखा मेहरा, आयुक्त पंचायती राज जोगाराम, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम, शासन सचिव वन एवं पर्यावरण बीजू जॉय, शासन सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती पुष्पा सत्यानी, प्रबंध निदेशक एनएचएम (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य)अमित यादव, निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत, निदेशक स्थानीय निकाय प्रतीक जुइकर, संयुक्त सचिव संस्थागत वित्त एवं बीस सूत्रीय कार्यक्रम सी.पी. मण्डावरिया, तथा निदेशक (तकनीकी) जयपुर डिस्कॉम आर.के. शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक समान मानदेय हो, मातृत्व अवकाश मिले : भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सांसद ने सोमवार को देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मानदेय एक समान करने तथा उन्हें 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश दिये जाने की मांग की।

लोकसभा में शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भाजपा के जगदंबिका पाल ने कहा कि देश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की संख्या करीब 12 लाख 93 हजार है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का वेतन एक समान करने की मांग करते हुए कहा, ''उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, मानदेय के रूप में उन्हें विभिन्न राज्यों में छह हजार रुपए, आठ हजार रुपए या दस हजार रुपए मिल रहे हैं।''

भाजपा सांसद ने सरकार से आग्रह किया कि चूंकि वे राष्ट्रीय योजनाओं को वास्तविकता की धरातल पर उतारने का काम कर रही हैं, इसलिए उन्हें नियमित करने पर विचार किया जाए। पाल ने यह भी कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और

सहायिकाओं को वर्तमान में मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार से इन्हें भी इस कानून के तहत 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने की मांग की। समाजवादी पार्टी (सपा) के नारायणदास अहिरवार ने आरोप लगाया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र जालौन (उत्तर प्रदेश) में बसौर-बरार समुदाय के लोगों की संख्या शून्य घोषित किये जाने से वे सरकार की कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित हो गए हैं। उन्होंने दावा किया, ''दिनांक छह जुलाई 2024 को परियोजना निदेशक द्वारा (उप्र) शासन को भेजे गए पत्र में यह उल्लेख किया गया कि जिले में इस जाति के लोगों की संख्या शून्य है। वहीं, जब इस संबंध में परियोजना निदेशक से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि नौ विकास खंड अधिकारियों ने लिखित रूप से यह सूचित किया है कि उनके क्षेत्र में बसौर-बरार जाति के लोग निवास नहीं करते।'' सपा सांसद ने कहा कि यह तथ्य न केवल सत्य से परे है, बल्कि एक समुदाय विशेष के प्रति ''गहरी उपेक्षा और संवेदनहीनता'' को भी दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि इस कारण समुदाय के पात्र लोग मुख्यमंत्री आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण लाभ से वंचित हो गए हैं। उन्होंने जालौन जिले में समुदाय के सभी परिवारों का भौतिक सत्यापन कराने तथा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत प्राथमिकता सूची में शामिल करने की मांग की।

प्रयागराज में 'कोल्ड स्टोरेज' ढहने से चार श्रमिकों की मृत्यु, 12 घायल

प्रयागराज/भाषा। प्रयागराज जिले में गंगा नगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक 'कोल्ड स्टोरेज' के अचानक ढह जाने से चार श्रमिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 12 श्रमिक घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कोल्ड स्टोरेज ढहने की घटना में अभी तक चार लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 12 श्रमिक घायल हैं जिनका इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है।'' उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल से मलबा हटाकर लोगों की तलाश रही है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि फाफामऊ थाना क्षेत्र में एक 'कोल्ड स्टोरेज' आज दोपहर अचानक भर भराकर ढह गया और उससे अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है तथा अग्निशमन विभाग की टीम भी सक्रिय है जो गैस रिसाव रोकने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा 'एक्स' पर किये गये पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में इस घटना पर दुख व्यक्ति करते हुए कहा है, इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ मेरी सहानुभूति है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता दी जाएगी।

नौकरी करने से रोकने पर एक नव विवाहिता ने की आत्महत्या

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा के सेक्टर 63 थानाक्षेत्र में कथित रूप से ससुराल वालों द्वारा नौकरी करने से रोके जाने पर 19 वर्षीय एक विवाहिता ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि छिजारसी कॉलोनी में निशांत कुमार की पत्नी दीपिका ने सोमवार को अपने घर में फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। थाना प्रभारी के अनुसार मूल रूप से बिहार के मुंगेर जनपद की दीपिका की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी तथा वह अपने ससुराल वालों से कह रही थी कि वह नौकरी करना चाहती है लेकिन उसके ससुराल वाले उससे घर संभालने को कह रहे थे। काकरान के मुताबिक इस बात को लेकर वह तनाव में थी। थाना प्रभारी ने कहा कि इस मामले में दीपिका के मायके वालों ने अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है, अगर वे कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस मामले की जांच करेगी।

प्रधानमंत्री ने कुछ नया नहीं कहा, प. एशिया पर संसद में चर्चा होनी चाहिए : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर जो वक्तव्य दिया, उसमें कुछ नया नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया के मामले पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को बताया है कि अभी हालात क्या हैं। इसमें कुछ नया नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे में हमने चर्चा के लिए जो नोटिस दिया है, उस पर भी बात होनी चाहिए, ताकि सभी का पक्ष सामने आ सके।'' प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है और देशवासियों को उसी तरह तैयार रहना होगा जिस तरह एकजुटता के साथ सब ने कोरोना वायरस महामारी का सामना किया था। मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर लोकसभा में वक्तव्य देते हुए कहा कि इस समस्या का समाधान कूटनीति और बातचीत से ही संभव है तथा भारत तनाव को कम करने व संघर्ष समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

वित्तीय दबाव, अन्य आंतरिक मुद्दों के कारण 10 साल में 11 एयरलाइंस बंद हुईं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि पिछले 10 वर्षों में वित्तीय दबाव, विमान की अनुपलब्धता और अन्य आंतरिक समस्याओं के कारण 11 एयरलाइंस बंद गई हैं। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि विमानन क्षेत्र विनियमित नहीं है और एयरलाइंस वाणिज्यिक आधार पर संचालन करती हैं, जबकि सरकार संतुलित और स्थिर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया, 2016 के बाद से 11 एयरलाइंस वित्तीय दबाव, विमान की उपलब्धता न होना और अन्य आंतरिक मुद्दों के कारण बंद गई हैं। इसके अलावा, एयरएशिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (अब एआईएक्स कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड) का एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड में विलय हो गया है, और टाटा एसआईए एयरलाइंस लिमिटेड (विस्तारा) एयर इंडिया लिमिटेड में शामिल हो गई है। सरकार ने बंद हो चुकीं एयरलाइंस के हवाई अड्डों, कर्मचारियों और लेनदारों के बकाया पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि किंगफिशर एयरलाइंस के पास भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के 380.51 करोड़ रुपए बकाया थे, जिसे बेंगलूरु के आधिकारिक लिक्विडेटर के पास दर्ज करवा दिया गया है।

'स्लीपर' बस 'डिवाइडर' से टकराई, एक महिला की मौत, 37 घायल

उन्नाव (उप्र)/भाषा। उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक 'स्लीपर' बस के 'डिवाइडर' से टकराकर पलट जाने से एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि लगभग 37 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा बांगरमऊ क्षेत्र में नसिरापुर गांव के पास उस समय हुआ जब लखनऊ की ओर जा रही यह बस अनियंत्रित होकर 'डिवाइडर' की रेलिंग से टकरा गई। पुलिस का कहना है कि टक्कर इतनी तेज थी कि बस का इंजन अलग होकर एक्सप्रेसवे के नीचे जा गिरा। अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना में लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र की तारावती (55) की मौके पर मौत हो गई तथा घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गंभीर रूप से घायल 14 लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस शिविर पर हमले ने असम की आंतरिक सुरक्षा पर सवाल खड़े किये : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह ने असम पुलिस के कमांडो शिविर पर उल्फा (आई) उग्रवादियों के हमले के बाद राज्य की आंतरिक सुरक्षा पर सोमवार को सवाल उठाये। सिंह ने दावा किया कि राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ दल जब जनता से संपर्क करेंगे, तो जनता सरकार को जवाबदेह ठहराएगी।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, असम पुलिस कमांडो शिविर पर हमला एक खतरनाक मामला है। उग्रवादियों ने पुलिस पर हमला करने की हिम्मत दिखाई। शनिवार देर रात तिनसुकिया जिले के जगुन स्थित पुलिस कमांडो शिविर पर हुए उग्रवादी हमले में कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, जबकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि हमलावरों को पकड़ने के लिए जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सिंह ने कहा कि इस हमले से राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। सिंह ने दावा किया, दो साल पहले 15 अगस्त को राज्य में 22 बम बरामद हुए थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा था कि हम कड़ी कार्रवाई करेंगे। अगर कार्रवाई की गई होती, तो यह हमला नहीं हुआ होता। सिंह ने पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, राज्य की आंतरिक सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। अगर आप अपने ही राज्य की सुरक्षा नहीं कर सकते, उग्रवादियों से नहीं लड़ सकते, तो किस मुंह से चुनाव लड़ने और वोट मांगने जा रहे हैं? उन्होंने कहा, आज सबसे बड़ा खतरा सुरक्षा का है, जो पूरी तरह से चरमरा गई है। सरकार अपने ही राज्य की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता पिछले पांच वर्षों में सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाएगी, और धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण की बात करने से कोई फायदा नहीं होगा।

मेरे पिता नीतीश कुमार ने बिहार को जातीय और सांप्रदायिक हिंसा से मुक्त कराया : निशांत कुमार

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि उनके पिता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य को लंबे समय से चली आ रही जातीय और सांप्रदायिक हिंसा से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई है। निशांत कुमार (44) पार्टी कार्यालय में समाजवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। निशांत कुमार ने कहा, मेरे पिता खुद को लोहिया का शिष्य मानते हैं। उन्होंने मुझे बताया है कि उन्हें गांधी मैदान में लोहिया का भाषण सुनने का अवसर मिला था। उन्होंने लोहिया के आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने का प्रयास किया है।

'बंगाल में जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण कई जिलों में हिंदू बन सकते हैं अल्पसंख्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासनकाल के दौरान तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण कई जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक बन सकते हैं, जिससे भविष्य में हिंदू उम्मीदवारों के लिए चुनाव जीतना कठिन हो जाएगा।

भाजपा की बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष मजूमदार ने दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने में असफल रहने के बाद भाजपा ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी अब बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, बंगाल-केंद्रित मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध करने पर

ध्यान दे रही है, जिससे चुनावी गणित बदल सकता है।

मजूमदार ने 2026 के विधानसभा चुनावों को राज्य के लिए एक जनसांख्यिकीय निर्णायक मोड़ करार दिया। उन्होंने कहा, जनगणना अभी नहीं हुई है, लेकिन ममता बनर्जी ने खुद कहा है कि मुस्लिम आबादी लगभग 33 प्रतिशत है, जो 33-35 प्रतिशत तक हो सकती है। अगले पांच वर्षों में यह और बढ़ेगी। इसके बाद हिंदुओं के लिए चुनाव जीतना मुश्किल हो जाएगा। मजूमदार ने यह भी दावा किया कि यदि टीएमसी सत्ता में बनी रहती है, तो 2026 का चुनाव ऐसा आखिरी चुनाव हो सकता है जिसमें बंगाली हिंदू राज्य की चुनावी दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, ''जनसांख्यिकी में बदलाव के कारण टीएमसी को धीरे-धीरे हिंदुओं के बजाय मुसलमानों को अधिक टिकट देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मुस्लिम उपमुख्यमंत्री की मांग अभी से सुनाई दे रही है। ये मांगें भविष्य में पूरी होंगी और अंततः इससे मुस्लिम मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो सकता है। ''

इतिहास का हवाला देते हुए, मजूमदार ने विभाजन के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा और मुस्लिम लीग के सत्ता में रहने के दौरान हुए 'ग्रेट कलकत्ता हत्याकांड' का जिक्र किया। भाजपा लंबे समय से आरोप लगाती रही है कि सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में बदलाव राज्य की राजनीति को प्रभावित कर रहा है और इसी मुद्दे को पार्टी 2026 चुनाव के लिए प्रचार अभियान का प्रमुख विषय बना रही है।

राहुल गांधी ने वनवासी शब्द के इस्तेमाल को लेकर आरएसएस, भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदिवासियों के लिए वनवासी शब्द के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा तथा दावा किया कि उन्होंने इस शब्द को इसलिए गढ़ा है, ताकि जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के मूल स्वामित्व को नकारा जा सके, जो सदियों से उन्हीं का है।

वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने जाति जनगणना की अपनी मांग को दोहराया, जिसे उन्होंने आदिवासियों के लिए देश की सत्ता और संपदा में अपना हिस्सा पाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस समझौते के तहत कृषि क्षेत्र को उस देश के लिए खोल दिया गया है, ऐसा पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''आदिवासी से तात्पर्य भारत के मूल निवासियों से है। यदि आप इस भूमि पर 1,000, 2,000 या यहां तक कि 5,000 वर्ष पहले भी आते, तो आप पाते कि जमीन का एक-एक इंच आदिवासियों के हाथों में था।'' उन्होंने कहा अब, 21वीं सदी में एक नया शब्द सामने आया है आरएसएस और भाजपा द्वारा गढ़ा गया एक शब्द वनवासी। वनवासी शब्द का तात्पर्य है कि आप इस भूमि के मूल स्वामी नहीं थे। दूसरी ओर, आदिवासी शब्द का अर्थ है कि यह देश आपका था, इसका जल, जंगल और जमीन सही मायने में आपकी थी। गांधी ने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और पूज्य आदिवासी नेता बिरसा मुंडा पर हमला है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''वनवासी शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि आप मूल स्वामी नहीं थे- बल्कि मूल स्वामी कोई और था और जल, जंगल एवं जमीन आपकी नहीं थी; आप केवल संयोगवश वन में निवास करते थे। विपक्ष के नेता ने कहा, ''जैसा कि किसी ने सही कहा है, हम संविधान के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें हजारों साल पुराना दर्शन समाहित है। मोदी समेत भाजपा के सदस्य बिरसा मुंडा, अंबेडकर, फुले और गांधी की प्रतिमाओं के समक्ष नमन करते हैं; फिर भी वे उन सिद्धांतों की रक्षा करने में विफल रहते हैं जिनका बिरसा मुंडा ने समर्थन किया और उस उद्देश्य की रक्षा करने में भी विफल रहते हैं जिसके लिए उन्होंने अपना प्राणों का बलिदान दिया।'' गांधी ने कहा कि संविधान में बिरसा मुंडा की आवाज समाहित है, और जब भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहकर इस आवाज पर हमला करती है और उनके जल, जंगल और जमीन को कारोबारी घरानों को सौंप देती है, तो वह पार्टी केवल संविधान पर ही हमला नहीं कर रही, बल्कि वह बिरसा मुंडा पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा, ''जब भी विकास का विषय उठता है, अक्सर बिना मुआवजा दिए आदिवासियों की जमीन छीन ली जाती है, क्योंकि आपको किसी भी प्रकार का कोई अधिकार या हक नहीं है।''

एलपीजी कमी के चलते ओडिशा के भोजनालयों ने मेन्यू में कटौती, कोयला व लकड़ी का इस्तेमाल शुरू

भुवनेश्वर/बरहमपुर/भाषा। ओडिशा में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी के कारण सड़क किनारे सैकड़ों ढाबे और छोटे रेस्तरां को अपना मेन्यू घटाने, दाम बढ़ाने और कई मामलों में कोयला तथा लकड़ी का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

भुवनेश्वर के एक शाकाहारी रेस्तरां के प्रबंधक प्रशांत कुमार भट्ट ने कहा कि संकट के चलते उन्हें अपने मेन्यू में भारी कटौती करनी पड़ी है। उन्होंने कहा, पहले हम ग्राहकों को 180 व्यंजन परोसते थे, लेकिन अब पर्याप्त सिलेंडर नहीं मिलने के कारण इसे घटाकर 18 कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब कई व्यंजन इंडक्शन पर तैयार किए जा रहे हैं। राजधानी का प्रसिद्ध 'किशोर मटन' होटल भी गैस की कमी के कारण अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लकड़ी का इस्तेमाल कर रहा है। होटल के मालिक ने कहा, पर्याप्त सिलेंडर नहीं मिलने के कारण हमने रात का खाना परोसना बंद कर दिया है। इस संकट के चलते 'खाओगली' क्षेत्र के कई 'स्ट्रीट फूड' विक्रेताओं ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं, जबकि अन्य ने खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए हैं। इसी तरह, दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध ब्रह्मपुर के कई टिफिन सेंटर संचालकों ने भी एलपीजी आपूर्ति में कथित कमी के बीच कीमतें बढ़ा दी हैं।

रास में भाजपा सांसद ने विपक्ष को किया आगाह : रसोई गैस संकट को लेकर गलत दावे नहीं करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को भाजपा के एक सांसद ने रसोई गैस संकट को लेकर विपक्ष को गलत दावे कर अफरातफरी नहीं फैलाने के विरुद्ध आगाह करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं होने दी जाएगी।

अनुदान की अनुपूरक मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए भारतीय जनता पार्टी के सांसद मदन राठौड़ ने राजस्थान में रसोई गैस की किल्लत होने की बात को सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा कि चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के नीरज डांगी ने इस बारे में जो दावे किए हैं, उसका सच्चाई से कोई लेनादेना नहीं है तथा ऐसे दावों से लोग अफरातफरी में अधिक सिलेंडर लेने लगते हैं। इससे पहले चर्चा में भाग लेते हुए डांगी ने राजस्थान में एलपीजी किल्लत होने का दावा करते हुए कहा था कि गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लग रही हैं।

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसी सभी व्यवस्थाएं कर रखी हैं कि देश में आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं होने दी

जाएगी। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तीन गुना बढ़ी है जो 106.57 लाख करोड़ था जो अब बढ़कर 331.3 लाख करोड़ बढ़ गया है। उन्होंने सेवाओं, दवाओं, इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों, इंजीनियरिंग वस्तुओं सहित निर्यात में आयी वृद्धि के आंकड़े दिये। उन्होंने कहा कि आज भारत उद्योग के मामले में आत्मनिर्भर बनते जा रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है क्योंकि आज देश में कोई घोटाला नहीं हो रहा जबकि पहले बोफोर्स घोटाले, कोयला खदान घोटाले सहित आए दिन कोई न कोई घोटाला होता रहता था। उन्होंने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और देश शस्त्रों का निर्यात कर रहा है।

मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना करते हुए कहा, ''मुझे यह पसंद नहीं है'', क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है।

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से

बदल सकती हैं। यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा। रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है। इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' से जुड़े 'पीटीआई' के सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा, ''मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद एक ऑलराउंडर हूं। पहले हम इस भूमिका (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) के लिए ऑलराउंडर चुनते थे। अब टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है। वे कहते हैं कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?'' उन्होंने कहा, ''खुद एक ऑलराउंडर होने के नाते मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन साथ ही नियम तो नियम होते हैं। हमें उनका पालन करना होता है। व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है।''

झारखंड : करीब 600 लोगों से पूछताछ के बाद किशोरी से दुष्कर्म व उसकी हत्या का आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़वा/भाषा। झारखंड के गढ़वा जिले में किशोरी से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि एक महीने की जांच और लगभग 600 लोगों से पूछताछ के बाद रविवार को संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि घटना 21 फरवरी को रामकंडा पुलिस थाना क्षेत्र में उस वक्त हुई थी, जब 17 वर्षीय लड़की शौच के लिए गई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार ने बताया, ''किशोरी अपनी मां और बहन के साथ एक शादी में शामिल होने गांव आई थी। देर रात वह शौच के लिए बाहर गई थी।'' उन्होंने बताया कि जांच के मुताबिक, आरोपी ने लड़की का पीछा किया, जिसे देख पीड़िता ने भागने की कोशिश की, लेकिन वह सड़क पर गिर गई और आरोपी ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने किशोरी के कपड़े फाड़ दिए और चिल्लाने से रोकने के लिए उसी कपड़े को उसके मुंह में ठूंस दिया। पुलिस ने बताया कि फिर वह उसे एक खेत में ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 23 फरवरी को पीड़िता का शव बरामद किया और पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की। उसने बताया कि जांचकर्ताओं ने विवाह समारोह में शामिल होने आए करीब 600 लोगों से पूछताछ की और करीब 200 लोगों के फोन कॉल रिकॉर्ड का भी विश्लेषण किया।

सुविचार

प्रेम का अर्थ केवल पाना नहीं, बल्कि खुद को समर्पित कर देना है। बिना शर्त प्रेम ही ईश्वर का रूप है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान युद्ध से टूटे कई भ्रम

ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल के युद्ध ने कई भ्रम तोड़ दिए हैं। इस युद्ध का नतीजा जो भी निकले, लेकिन इसने कई धारणाओं पर भारी प्रहार किया है। पहले, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर जैसे देशों को बहुत सुरक्षित माना जाता था। भारत के कई लोगों ने यहां निवेश कर रखा है। उनका मानना था कि ये देश हमेशा सुरक्षित रहेंगे। इनकी समृद्धि के सोशल मीडिया पर बड़े चर्चे थे। पिछले तीन हफ्तों में तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। अगर कोई देश अपनी सरहदों को सुरक्षित नहीं रख सकता तो उसकी समृद्धि खतरे में पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल की जुबानी जंग वर्षों से चली आ रही थी। किसी ने नहीं सोचा होगा कि यह असल जंग में बदल जाएगी। ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई के सुरक्षा चक्र को तोड़ना लगभग असंभव माना जाता था। उनके हर सुरक्षाकर्मी पर खुफिया एजेंसियों की पैनी नज़र होती थी। हाल के वर्षों में ईरान के कई प्रमुख वैज्ञानिक और सैन्य अधिकारी मारे गए, लेकिन खामेनेई की सुरक्षा को लेकर किसी को संदेह नहीं था। जब युद्ध शुरू हुआ तो खामेनेई सबसे पहले चपेट में आए। उनका सुरक्षा घेरा बहुत कमजोर साबित हुआ। इस युद्ध ने इस्लामी देशों की एकता के दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। यह माना जाता था कि जिस दिन इज़राइल, ईरान पर हमला करेगा, सारे इस्लामी देश एकजुट होकर 'दुश्मन' पर धावा बोल देंगे। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। ईरान ने इस्लामी देशों पर मिसाइल व ड्रोन से हमले किए, जिन्होंने तेहरान को खरी-खोटी सुनाई। पाकिस्तान, जो इज़राइल की निंदा करने में सबसे आगे रहता है, की सरकार व सेना ने गहरी चुप्पी साध रखी है।

ईरान के बारे में एक और भ्रम था। कुछ विशेषज्ञ कहते थे कि इस देश ने परमाणु तकनीक हासिल करने के बाद गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित कर लिए हैं। वहीं, यह दावा भी किया जाता था कि ईरान ने पहले ही पाकिस्तान से कुछ परमाणु हथियार लेकर अपने पास रख लिए हैं। बस, उसे सही मौके का इंतज़ार है। ये सारे दावे भ्रामक साबित हुए। भारत में कई लोगों का यह रवैया है कि 'दुनिया में कुछ होता है तो होता रहे, हमें उससे कोई मतलब नहीं है।' वे खबरें पढ़ने में कोई रुचि नहीं लेते। उन्हें लगता था कि 'बाहर की लड़ाई वहीं तक सीमित रहेगी। हमारा जीवन पहले की तरह चलता रहेगा।' जब से रसोई गैस का सिलेंडर लेने में दिक्कत शुरू हुई है, वे होर्मुज जलडमरूमध्य के बारे में खबरें पढ़ने लगे हैं। आज देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बहुत बढ़ गई है। अगर हजारों किमी दूर कोई घटना होगी तो उसका असर हमारी जेब पर पड़ सकता है। किसी को भी इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि 'हमें दुनिया से कोई मतलब नहीं है।' मजबूत सेना किसी देश की बहुत बड़ी ताकत होती है। पहले, यह आम धारणा थी कि संख्या बल में बड़ी सेना होगी तो युद्ध के नतीजे पक्ष में आएंगे। हालांकि अब युद्ध के तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं। मजबूत सेना की जरूरत हमेशा रहेगी, लेकिन युद्ध का नतीजा तकनीक पर निर्भर करेगा। ईरानी सैनिक बहादुरी, जोश और जज्बे में अमेरिकी-इज़राइली सैनिकों से कम नहीं हैं। बस, वे तकनीक के मामले में पिछड़ गए। ईरान ने मिसाइल तकनीक में कुछ उन्नति जरूर की है, लेकिन अमेरिकी-इज़राइली तकनीक से उसका कोई मुकाबला नहीं है। अगर ईरान के पास बेहतर तकनीक होती तो वह इज़राइल को भयंकर नुकसान पहुंचा सकता था। भविष्य में मिसाइलों, ड्रोनों और वायु रक्षा प्रणालियों का महत्त्व बढ़ना तय है। जो देश तकनीक में मजबूत होगा, उसकी सुरक्षा भी मजबूत होगी।

ट्वीटर टॉक

जोबनेर के लिए प्रस्थान करते समय क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं द्वारा मिले अपार स्नेह व आत्मीय स्वागत से अभिभूत हूँ। आप सभी का यह निस्वार्थ प्रेम और अटूट विश्वास ही मुझे जनसेवा के पथ पर निरंतर ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

–भजनलाल शर्मा

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के भवानी निकेतन मंडल के वार्ड 15 में क्षेत्र के विकास को समर्पित विभिन्न कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया और सभी सम्मानित क्षेत्रवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं।

–दिया कुमारी

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के अनन्य सखा, मर्यादा और निष्कलुष मित्रता के अद्वितीय प्रतीक निषादराज गुह जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने अपने सहज और निष्कपट आचरण से सेवा, समर्पण और आत्मीयता का जो आदर्श स्थापित किया।

–योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

विद्वता और विनम्रता

फ्रांस में नोके नामक संत, तपस्वी और विद्वान थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता और गुणों के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे। लेकिन जब नोके इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। राजा और नोके के बीच अब धर्म के साथ-साथ कई अन्य विषयों पर भी वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली। राजा के दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो क्रोध से नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर अंदर आया और नोके के पास जाकर अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?' संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो दीन हैं, उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुनकर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर-चूर हो गया।

सामयिक

युद्ध का खामियाजा भुगतता एनर्जी सेक्टर

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बहाने एक बार फिर दुनिया भर के एनर्जी सेक्टर को निशाना बनाया जा रहा है। हाल ही में ईरान और इजरायल ने पहली बार जीवाश्म ईंधन ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों पर हमले किए, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। असल में ऊर्जा को अब युद्ध का हथियार बनाया जा रहा है। इजराइल ने कतर के साथ साझा किए जाने वाले दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की समरेफ रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर जवाबी कार्रवाई की, जो युद्ध में खतरनाक मोड़ साबित हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा साउथ पार्स गैस क्षेत्र भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई वृद्धि दुनिया के तमाम देशों के साथ आम आदमी की कमर तोड़ने वाली साबित हो रही है।

वहीं इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि साल 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग गए थे। करीब दो साल बाद ही उत्पादन युद्ध के पूर्व स्तर पर वापस आ पाया था। इस दौरान दुनिया को भारी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षतिग्रस्त ऊर्जा उत्पादन बुनियादी ढांचे की मरम्मत में वर्षों लग जाते हैं। खासकर एलएनजी संयंत्र को नुकसान पहुंचना सबसे बुरा होता है। इसकी मरम्मत में कई साल लग सकते हैं। गैस संयंत्रों पर जवाबी हमलों के वैश्विक प्रभाव हैं। यह सर्वविदित है कि ऊर्जा व्यवधान ईंधन की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। खाड़ी क्षेत्र यूरोप, एशिया और भारत के लिए एक प्रमुख ऊर्जा गलियारा बना हुआ है।

वहीं युद्ध के बीच ईरान ने कहा है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर दोबारा हमला हुआ, तो वह खाड़ी देशों के तेल और गैस सेक्टर को पूरी तरह तबाह कर देगा। ईरान की सैन्य यूनिट आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर बड़ी गलती की है। अगर ऐसा दोबारा हुआ, तो जवाब और भी ज्यादा खतरनाक होगा। इससे पहले ईरान के सबसे बड़े गैस क्षेत्र साउथ पार्स गल्फ फील्ड पर हमला हुआ था। यह दुनिया का सबसे बड़ा गैस फील्ड है, जो बुशहर के पास समुद्र में स्थित है। इसके तुरंत बाद ईरान ने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी कि उनके तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। इसी दौरान कतर के रास लफान गैस प्लांट पर मिसाइल हमला हुआ, जिससे वहां भारी नुकसान हुआ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई।

एनर्जी सेक्टर पर लगातार हमले यह दिखाते हैं कि अब यह जंग सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि दुनिया की एनर्जी सप्लाई भी सीधे खतरे में आ गई है। अगर हालात ऐसे ही बिगड़ते रहे, तो तेल और गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इधर, ईरान में जारी जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। सैकड़ों की संख्या में जहाज फंसे हुए हैं, जिस वजह से ग्लोबल लेवल पर ऊर्जा संकट बना हुआ है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के 20 फीसदी तेल का एक्सपोर्ट किया जाता है। इसको लेकर अमेरिका ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमला किया था, जिसके बाद स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक बन गई है। असल में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुआ यह टकराव अब तेल युद्ध में तब्दील हो चुका है, जो लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। आगे हालात और भी भयावह होने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। एक अनुमान के अनुसार, साउथ पार्स गैस क्षेत्र में 1,800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का भंडार है, जो दुनिया की कई वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तेहरान के लिए साउथ पार्स उसकी ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। ईरान की लगभग 80 फीसदी बिजली इसी गैस क्षेत्र से उत्पन्न होती है। यह गैस क्षेत्र केवल ईरान का नहीं है। ईरान इसे कतर के साथ साझा करता है, जो अमेरिका का सहयोगी और दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी उत्पादक है। कतर के हिस्से को नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में एलएनजी वैश्विक बाजारों में निर्यात की जाती है।

> **अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने पिछले साल बताया था कि दुनिया में करीब 730 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो बिजली के बिना रहते हैं। उन्हें बिजली से जोड़ने की दिशा में प्रगति 2020 से रुकी हुई है।**

असल में दुनिया ऊर्जा की अभूतपूर्व बढ़ती मांग, 1.18 अरब लोगों तक बिजली न पहुंचने (ऊर्जा गरीबी) और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता के कारण भारी संकट से जूझ रही है। चीन के नेतृत्व में कोयला खपत और भू-राजनीतिक तनावों ने इस संकट को जटिल बना दिया है, जबकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तत्काल पहुंचने की आवश्यकता है। ऊर्जा की बढ़ती मांग के साथ नवीकरणीय ऊर्जा ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन साथ ही जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) की खपत भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। विकासशील क्षेत्रों में विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में करोड़ों लोग अभी भी विश्वसनीय बिजली या स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन से वंचित हैं। ऊर्जा प्रणालियां ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम संबंधी आपदाएं भी ऊर्जा बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से बिजली पारेषण ग्रिड) को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे 20 करोड़ से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं।

इधर, यूक्रेन और रूस संकट तथा अन्य भू-राजनीतिक अस्थिरता ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान डाला है। जीवाश्म ईंधन में कमी के बजाय कुछ क्षेत्रों में कोयले की मांग में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। असल में स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से जुड़ाव ही एकमात्र रास्ता है, जिसके लिए नई प्रौद्योगिकियों और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश की आवश्यकता है। दुनिया भर के देश ऊर्जा सुरक्षा के लिए पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करके अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइड्रोजन) का विविधीकरण कर रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने से स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार की संभावना है। वहीं चीन की ऊर्जा मांग में चरम पर पहुंचने के बाद कमी आने की संभावना है, जो वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को बदल सकती है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने पिछले साल बताया था कि दुनिया में करीब 730 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो बिजली के बिना रहते हैं। उन्हें बिजली से जोड़ने की दिशा में प्रगति 2020 से रुकी हुई है। वहीं भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में ऊर्जा संकट का प्रमुख कारण यह है कि बिजली की मांग उसकी आपूर्ति से कहीं अधिक है, जो कि लगातार बढ़ रही है। वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र में बिजली की खपत अधिक है और यह लगातार बढ़ रही है, क्योंकि भारत सहित कई देश अभी भी विकास के दौर में है। अब सबसे बड़ी चुनौती जीवाश्म ईंधनों का विकल्प तलाशते हुए स्वच्छ ऊर्जा से इस बढ़ती मांग को पूरा करना है। स्वच्छ, प्रचुर, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा का भविष्य संभव है, बशर्ते कि दुनिया वित्त, नीति और बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों को दूर कर सके। साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नीतियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। हमें इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। वहीं युद्ध और संघर्षों से एनर्जी सेक्टर को हर हाल में बचाना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो दुनिया अंधेरे में डूब जाएगी।

आस्था

प्रकृति को समर्पित है छठ महाव्रत

ई. प्रभात किशोर
मोबाइल : 8544128428

पुराणों में सूर्योपासना से संबंधित कई तरह की कथाएं वर्णित हैं। सूर्य को वेदों में जगत की आत्मा के रूप में विभूषित किया गया है। वैदिक काल में सूर्य को सारे जगत का कर्ता-धर्ता माना जाता था। सूर्य का शब्दार्थ है- सर्व प्रेरक। यह सर्व प्रकाशक, सर्व प्रवर्तक होने से सर्व कल्याणकारी है। विश्व के प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद में पाप मुक्ति हेतु सूर्य की उपासना का वृहद वर्णन है। उन्हें अग्नि के समान जगत का पालनहार और प्रत्यक्ष देवता माना गया है। इस ग्रन्थ में सूर्य के विषय में 14 सूक्त उपलब्ध हैं। 49वें सूक्त में सूर्यदेव को धन की कामना हेतु आह्वान किया गया है। 50वें सूक्त के अनुसार हे मित्रों के मित्र सूर्यदेव, आप उदित होकर आकाश में उठते हुए हृदय रोग एवं शरीर की कांति का हरण करने वाले रोगों को नष्ट करें। यजुर्वेद में 'चक्षो सूर्यो जायत' कहकर सूर्य को भगवान का नेत्र माना गया है। छान्दोग्यपनिषद में सूर्य को प्रणव निरूपित कर उनकी ध्यान साधना से पुत्र प्राप्ति का लाभ बताया गया है। कोशीतिकी ब्राह्मण में जल, चंदन के साथ अध्य देकर सूर्य की उपासना का वर्णन है। इसके साथ हीं अनेक गृह सूत्रों में भी सूर्य उपासना का उल्लेख है। छठी शताब्दी के शासक हर्षवर्द्धन के दरबारी कवि मयूर ने सूर्य शतकम की रचना की थी।

प्रारम्भिक दौर में छठ पूजा मुख्यतः बिहारियों एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच प्रचलित रही है। समय के साथ अब इसने न सिर्फ सम्पूर्ण भारत वरन नेपाल, मारीशस सहित अन्य देशों में भी श्रद्धापूर्वक एवं धूमधाम से मनाया जाता है। कार्तिक माह के शुल्क पक्ष की पंचमी एवं षष्ठी तिथि को क्रमशः अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्यदेव की जाने की परम्परा है। साथ हीं चैत्र माह के शुल्क पक्ष की पंचमी एवं षष्ठी तिथि को भी यह महापर्व श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है, हालांकि इसमें व्रतियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहती है। सविता (सूर्य परिवार की देवता) की वंदना की अद्यतन पद्धति वैदिक परम्परा की याद दिलाती है। इस उपासना में जल एवं दुग्ध का अर्घ्य दिया जाता है। व्रत करने वाले फल-पुष्प के साथ गेहूं और गुड़ से बने तथा धृत में पकाये गए पकवान को प्रसाद स्वरूप अर्पित करते हैं। ये समस्त सामग्रियां वैदिक कालीन जीवन एवं खाद्य पदार्थों से प्रत्यक्ष संबंध रखती हैं।

नजरिया

जागरूकता से मिलेगी टीबी से मुक्ति

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

विश्व क्षय रोग दिवस हर साल 24 मार्च को दुनियाभर में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्षय यानि टीबी के रोग के बारे में जनसाधारण में सतर्कता जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसके इलाज के लिए सजग करना है। क्षय रोग अथवा टी.बी. एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह रोग एक बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता है। इसे फेफड़ों का रोग माना जाता है। टी.बी. के बैक्टीरिया साँस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। रोग से प्रभावित अंगों में छोटी-छोटी गाँठ बन जाती हैं। उपचार न होने पर धीरे-धीरे प्रभावित अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं और यही मृत्यु का कारण हो सकता है।

टीबी यानि क्षय रोग एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होती है, जिसके चलते लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसका इलाज लंबे समय तक चलने वाला होता है और इसे पूरी तरह ठीक करने के लिए विशेष दवाइयों का पूरा कोर्स लेना आवश्यक होता है। इन दवाओं का पूरा कोर्स करने से टीबी दोबारा होने की संभावना बेहद कम हो जाती है। यदि टीबी की दवा बीच में छोड़ दी जाए तो बैक्टीरिया दवा प्रतिरोधी हो सकता है, जिससे इलाज मुश्किल हो जाता है।

टीबी को देश और दुनिया में बड़ी बीमारियों में से एक माना जाता है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ष 2000 से टीबी को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों ने अनुमानित 7 करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रोजाना लगभग 3,500 लोगों की मौत टीबी के कारण होती है और लगभग 3,000 लोग इस बीमारी से पीड़ित होते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित पोषण, दवाइयों का पूरा कोर्स, और सामाजिक समर्थन – इन चार प्रमुख स्तंभों पर ध्यान देकर हम टीबी को जड़ से समाप्त कर सकते हैं। टीबी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने जो बहुत बड़ा काम किया है, वो है, जनभागीदारी। भारत ने 'टीबी मुक्त भारत' के अभियान से जुड़ने के लिए देश के लोगों से नि-क्षयमित्र' बनने का आह्वान किया था। मोदी सरकार ने टीबी के मरीजों की स्क्रीनिंग के लिए, उनके ट्रीटमेंट के लिए, उनको आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा है। टीबी की मुफ्त जांच के लिए, देश भर में लैब्स की संख्या बढ़ाई गई है। ऐसे स्थान जहां टीबी के मरीज ज्यादा हैं, वहां पर विशेष फोकस के रूप में कार्ययोजना बनाई जाती है। टीबी मुक्त होने के लिए भारत टेक्नोलॉजी का भी ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहा है। हर टीबी मरीज के लिए जरूरी केयर को ट्रैक करने के लिए नि-क्षयपोर्टल बनाया गया है।

> **भारत में टीबी के मरीजों की संख्या दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। यदि एक औसत निकालें तो दुनिया के 30 प्रतिशत टीबी रोगी भारत में पाए जाते हैं। टी.बी. का पूरा नाम है ट्यूबरकुल बेसिलाइ। यह एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है।**

भारत में टीबी के मरीजों की संख्या दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। यदि एक औसत निकालें तो दुनिया के 30 प्रतिशत टीबी रोगी भारत में पाए जाते हैं। टी.बी. का पूरा नाम है ट्यूबरकुल बेसिलाइ। यह एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह व्यक्ति को धीरे-धीरे मारता है। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और प्रत्येक वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। देश में हर तीन मिनट में दो मरीज क्षयरोग के कारण दम तोड़ देते हैं। हर दिन चालीस हजार लोगों को इसका संक्रमण हो जाता है। क्षय रोग के कीटाणु, संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने, बातें करने और थूकने से हवा में घुलकर रोग को बढ़ाते हैं। किसी भी व्यक्ति की सांसों में घुलकर यह दण्डाणु उसे प्रभावित कर सकते हैं।

क्षय रोग की शुरुआत में आप थोड़ा सा काम करने पर थक जाते हैं आपको कमजोरी महसूस होने लगती है। कई बार लोग इस लक्षण को गंभीरता से नहीं लेते हैं और धीरे-धीरे आपके शरीर पर टी.बी के बैकटेरिया आक्रमण करना शुरु कर देते हैं। बुखार आना, सर्दी जुकाम होना यह तपेदिक होने की शुरुआत भी हो सकते हैं। कई बार यह अपने आप ठीक भी हो जाता है लेकिन कभी-कभी यह वापस भी आ जाता है। ऐसे में बिना देर किए तुरंत क्षय रोग का टेस्ट कराएं। उपचार और रोकथाम योग्य होने के बावजूद टीबी रोग, दुनिया भर में मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। आइए टीबी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हों और इस बीमारी पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ समुदायों को सशक्त बनाएं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कंगना रनौत ने अपने जन्मदिन पर परिवार संग प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

'गैंगस्टर' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस कंगना रनौत सोमवार को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। आज उन्होंने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

मंडी से भाजपा सांसद कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पीएम से मुलाकात की फोटो शेयर की। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान उनकी बहन रंगोली भी मौजूद थीं। इस दौरान कंगना को भेंट स्वरूप तस्वीर भी मिली। अपनी खुशी जाहिर करते हुए कंगना ने लिखा, आज परिवार सहित माननीय प्रधानमंत्री जी का समय और मार्गदर्शन मिला। मेरे लिए ये एक यादगार जन्मदिन रहा। कंगना कई बार जिक्र कर चुकी हैं कि पीएम मोदी द्वारा देश के लिए किए गए सराहनीय कार्यों की वजह से ही वे राजनीति में आने के लिए प्रेरित हुई थीं।

उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि साल 2014 से पहले देश में बहुत निराशा थी और वे भी देश की हालातों को लेकर चिंतित थीं, लेकिन 2014 के बाद देश को असल मायनों में आजादी मिली है।

अभिनेत्री ने हमेशा पीएम मोदी को अपना मार्गदर्शक और शुभचिंतक माना है। वे आए दिन सोशल मीडिया पर पीएम मोदी से जुड़े क्लिप्स शेयर करती रहती हैं।

साल 2024 में कंगना ने भाजपा का दामन थामा था। उन्हें लोकसभा चुनाव में हिमाचल के मंडी से उम्मीदवार बनाया गया। कंगना पहली ही बार में चुनाव जीतीं और मंडी से सांसद बनीं। आज वे अपना फिल्मी करियर और राजनीतिक करियर दोनों ही बखूबी संभाल रही हैं। अभिनेत्री सदन में लगातार हमलावर रहती हैं और हाल ही में उन्होंने राहुल गांधी के लिए 'टपोरी' शब्द का इस्तेमाल किया था। अभिनेत्री का कहना था कि विपक्ष के नेता का व्यवहार सदन में किसी रोड-साइड लड़के की तरह होता है, जिसकी वजह से सभी महिलाएं असुरक्षित महसूस करती हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य मित्र देशों के लिए खुला है: श्रीलंका में ईरान के राजदूत

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में ईरान के राजदूत अलीरजा दिलखुश ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य मित्र देशों के लिए खुला है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जरूरत पड़ने पर तेहरान द्वीपीय राष्ट्र को तेल या अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने के लिए तैयार है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर दी गई है। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके माध्यम से विश्व की 20 प्रतिशत ऊर्जा का परिवहन होता है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखने वाले ईरान ने 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से बहुत कम जहाजों को इसे पार करने की अनुमति दी है।

अलीरजा दिलखुश ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य मित्र देशों के जहाजों के आवागमन के लिए खुला है। उन्होंने कहा, श्रीलंका हमारा मित्र देश है और जैसा कि मैंने आपको बताया, होर्मुज जलडमरूमध्य श्रीलंका जैसे हमारे मित्रों के लिए बंद नहीं है। उन्होंने कहा, यदि श्रीलंका तेल या किसी अन्य आवश्यक वस्तु की मांग करता है, तो ईरान आपूर्ति करेगा। इस संघर्ष ने वैश्विक तेल बाजारों को प्रभावित किया है।

जयशंकर ने भारत-रूस के अटूट संबंधों की सराहना की; गैर-टैरिफ बाधाओं को हटाने का आह्वान किया

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और रूस को 2030 तक दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं और विनियामक अड़चनों जैसे मुद्दों को दूर करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने रूस के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने भारत और रूस: एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर शीर्षक वाले एक ऑनलाइन सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा, आज की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में, हमारी भागीदारी और गहरी होती जा रही है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की 'स्वतंत्र विदेश नीति' की सराहना की और कहा कि रूस इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। जयशंकर ने कहा कि विकसित हो रही बहुध्रुवीय व्यवस्था के लिए भारत और रूस के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है, जिसमें ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), जी20 और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से सहयोग शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत, रूस के साथ मिलकर साझा चुनौतियों का 'संतुलित और समावेशी तरीके से' समाधान करने के लिए तत्पर है।

जयशंकर ने कहा, भारत और रूस के बीच विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दशकों से, हमारे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग ने क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को आगे बढ़ाया है।

विदेश मंत्री ने पिछले वर्ष दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा से निकले परिणामों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, दोनों पक्ष वर्तमान वार्षिक व्यापार को 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक संतुलित और सतत तरीके से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शक्ति प्रदर्शन

गुवाहाटी में भाजपा उम्मीदवारों ने भारी भीड़ के साथ रैली निकाली। न्यू गुवाहाटी से दीप्लु रंजन सरमा, दिसपुर से प्रद्योत बोरदोलोई और गुवाहाटी सेंट्रल से विजय गुप्ता ने नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले अपना दमखम दिखाया।

'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीज़र आया सामने

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में आने वाली ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी की पहली झलक सिनेमाघरों में प्रदर्शित की गई। जिओ स्टूडियोज और मुंबई फ़िल्म कंपनी ने इसे फिल्म धुरंधर द रिवेंज के साथ प्रस्तुत किया। यह फिल्म महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और विरासत पर आधारित है। इस झलक को सिनेमाघरों में शानदार प्रतिक्रिया मिली दर्शकों ने सीटियां और तालियां बजाईं, जिससे स्पष्ट है कि यह उनके दिलों को छू गई। प्रशंसक फिल्म के भव्य स्तर, बड़े लक्ष्य और शानदार दृश्य प्रभाव देखकर अत्यंत उत्साहित हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, राजा शिवाजी की झलक अद्भुत है! रितेश दृशमुख ने कमाल कर दिया।एक अन्य प्रशंसक ने कहा कि रितेश देशमुख इस फिल्म में बहुत सशक्त और अलग रूप में दिखाई दे रहे हैं, वहीं अभिषेक बच्चन को नए रूप में देखकर भी आनंद आया।किसी ने इस झलक को अद्भुत बताया और कहा कि यह फिल्म बॉक्स कार्यालय पर बड़ी सफलता प्राप्त करेगी। प्रशंसकों ने जेनेलिया डिसूजा और संजय दत्त की उपस्थिति को भी विशेष बताया।एक उपयोगकर्ता ने कहा कि अजय अतुल का संगीत इस झलक को और भी प्रभावशाली बनाता है और 1 मई को प्रदर्शित होना ऐतिहासिक होगा।फिल्म का निर्देशन रितेश देशमुख ने किया है और वे ही इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह कहानी एक ऐसे पुत्र की है जिसने स्वराज्य की स्थापना के लिए महान संकल्प लिया।

बादशाह के 'टटीरी' सॉन्ग पर हरियाणा पुलिस सख्त, सोशल मीडिया पर गाने से जुड़े 857 लिंक हटाए

पटना/एजेन्सी

हरियाणा पुलिस ने रैपर बादशाह के विवादित गीत 'टटीरी' के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पंचकूला पुलिस के अनुसार अब तक इस गीत से जुड़े कुल 857 लिंक हटवाए जा चुके हैं। इनमें 154 यूट्यूब वीडियो और 703 इंस्टाग्राम रील्स शामिल हैं। पुलिस ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सॉन्ग के सभी वर्जन जैसे री-अपलोड, शॉर्ट वीडियो और अन्य फॉर्मेट को तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई उन आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ उठाई गई है, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के प्रति अश्लील और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। हरियाणा पुलिस ने स्पष्ट किया कि राज्य में महिलाओं और नाबालिगों की गरिमा के खिलाफ किसी भी प्रकार के कंटेंट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि ऐसे कंटेंट के खिलाफ लगातार निगरानी और सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पंचकूला आयुक्त शिबास कविराज ने सोशल मीडिया यूजर्स को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रतिबंधित गीत पर रील, शॉर्ट वीडियो या अन्य कंटेंट बनाता या शेयर करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अकाउंटस को ब्लॉक या प्रतिबंधित किया जा सकता है और बार-बार उल्लंघन करने वालों पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज होगा।

पुलिस की टीम लगातार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मॉनिटरिंग कर रही हैं और गीत के प्रसार में शामिल अन्य व्यक्तियों व हैंडल्स की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है। हरियाणा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी कंटेंट को साझा करने से बचें और उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

मुंबई/एजेन्सी

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने आईएएनएस से बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो 'वशीकरणम' में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।'' स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। 'वशीकरणम' मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।''स्नेहलता ने आगे कहा, ''थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।''

चुनावी सरगर्मी

पूर्व बर्धमान जिले में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर उत्साह चरम पर है। पश्चिम बंगाल भाजपा की उपाध्यक्ष अग्निमित्रा पॉल ने सोमवार को जीत का विश्वास जताते हुए 'विक्ट्री साइन' दिखाया।

'धुरंधरः द रिवेंज' का हर दृश्य युद्ध के नगाड़े की तरह प्रभाव छोड़ता है : ऋषभ शेट्टी

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की सराहना करते हुए कहा कि फिल्म का हर दृश्य युद्ध के नगाड़े की तरह प्रभाव छोड़ता है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म बृहस्पतिवार को रिलीज हुई थी और यह धर की 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है। शेट्टी ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'धुरंधर: द रिवेंज' पहले ही दृश्य से दर्शकों को बांध लेती है और अंत तक पकड़े रखती है। हर दृश्य युद्ध के नगाड़े की तरह दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। यह सिर्फ सीक्वल नहीं, बल्कि एक 'स्टेटमेंट' है। शानदार कहानी, बारीकियों पर बेहतरीन काम और हर कलाकार का उत्कृष्ट प्रदर्शन। फिल्म का पहला भाग कराची के लियारी इलाके की पृष्ठभूमि पर आधारित था और इसमें खुफिया अभियानों की कहानी दिखाई गई थी।

यह सीक्वल सिंह के किरदार हमजा अली मजारी के कराची के अंडरवर्ल्ड में उदय की कहानी बयां करता है, साथ ही जसकिरत सिंह रांगी के रूप में उसकी पृष्ठभूमि को भी उजागर करता है और उस नौजवान के सफर को दिखाता है जो अंततः एक खुफिया जासूस बन जाता है। फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है और इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है।

शिल्पा शेट्टी ने देखी 'धुरंधर 2': रणवीर सिंह को कहा 'बब्बर शेर', फिल्म को बताया 'पैसा वसूल'

नई दिल्ली/एजेन्सी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचा रही है। आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस लिस्ट में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का भी नाम शामिल हो चुका है। 'धुरंधर 2' देखने के बाद शिल्पा ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने फिल्म की तारीफ की और सभी को इसे देखने की सलाह दी है। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि फिल्म में हर एक्टर ने अपना दिल और जान लगा दी है और हर फ्रेम में यह साफ दिखता है। शिल्पा ने रणवीर सिंह को 'पावरहाउस' और 'बब्बर शेर' बताया। उन्होंने कहा कि रणवीर ने हमजा के किरदार में अपनी पूरी आत्मा डाल दी है। संगीतकार एआर रहमान की तारीफ करते हुए शिल्पा ने उन्हें 'क्लास एक्ट' कहा और उनकी समझदारी को सीखने लायक बताया। शिल्पा ने अर्जुन रामपाल को 'खतरनाक' और 'मैग्नेटिक' करार देते हुए कहा कि यह उनके अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शनों में से एक है। संजय दत्त को हर फ्रेम में रॉकस्टार जैसा बताया और कहा कि वे पूरी तरह छाए हुए हैं। शिल्पा ने राकेश बेदी की तारीफ में लिखा कि उनकी मौजूदगी असली कला का सबूत है और उनकी यात्रा क्रिएटिव जस्टिस जैसी लगती है। उन्होंने पूरी कास्ट की प्रशंसा की और कहा कि हर किरदार इतनी खूबसूरती से उकेरा गया है कि हर कोई इसे अपना बना लेता है।

शिल्पा ने निर्देशक आदित्य धर को 'इस समय का हीरो' कहा। उन्होंने उनकी कहानी कहने की ईमानदारी, स्केल और शैली की तारीफ की, साथ ही फिल्म को धुरंधर और 'कल्ट' बनने लायक बताया।

फिल्म में देशभक्ति का तड़का है जो भावुक भी करता है और मनोरंजन भी देता है। शिल्पा ने लिखा कि मल्टीप्लेक्स के दौर में यह फिल्म सिंगल-स्क्रीन वाली एनर्जी लाती है, सीटियां, तालियां, और रोंगटे खड़े करने वाली फीलिंग आ जाती है। शिल्पा ने कहा कि यह फिल्म पूरी तरह 'पैसा वसूल' है। उन्होंने दर्शकों से इसे जरूर देखने की अपील की। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा, वे कहते हैंकोई हिम्मत नहीं, कोई गौरव नहीं... इसका आनंद लेने का समय है।

एक्टर नकुल मेहता ने पेरेंटिंग को बताया खेती जैसा

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहता ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। शुक्रवार को एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसानअपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें।

अभिनेता नकुल मेहता ने कहा कि इंसान सदियों से विकास करता आया है और आगे भी करता रहेगा। पानी और धूप की तरह विकास तो होता ही है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपने बच्चे को कैसा माहौल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है।नकुल ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा।

हम नहीं जानते कि कल की दुनिया कैसी होगी, इसलिए हमें उन्हें हर चीज सिखाना जरूरी नहीं है, लेकिन हम उनकी जिंदगी में आत्मविश्वास, खुद पर भरोसा और बहुत सारा प्यार भर सकते हैं। अगर हम उन्हें भावनात्मक सुरक्षा दे दें, तो वे किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए मजबूत बन जाएंगे। अभिनेता दो बच्चों के पिता हैं। 28 जनवरी 2012 को प्रोड्यूसर और सिंगर जानकी पारिख से शादी करने के बाद उन्होंने साल 2013 में पहले बेटे सूफी का स्वागत किया था, जबकि दूसरे बेटे का स्वागत साल 2025 में किया था।

धर्म में भाव का बल जोड़ो, तभी मिलेगा सच्चा फल : पंन्यास ज्ञानबोधि विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी के शिष्यरत्न पंन्यास ज्ञानबोधि विजयजी म.सा. ने सोमवार को धर्मसभा में धर्म और कर्म का गहन विश्लेषण करते हुए धर्मावलंबियों को जागरूक किया। अपने प्रभावशाली एवं सारगर्भित प्रवचन में उन्होंने कहा कि यदि अमृत पीने के बाद भी अमरत्व प्राप्त नहीं होता, तो आत्मंथन करना आवश्यक है कि हमारी आराधना में कमी कहां रह गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक नवकार मंत्र भी आत्मा को मोक्ष तक पहुंचाने में समर्थ है, किंतु आज हम वहीं खड़े हैं जहाँ से हमने आरंभ किया था। इसका कारण धर्म में नहीं, बल्कि हमारी आराधना में भावों की कमी है। उन्होंने कहा कि जिस आराधना में भावों का फोर्स नहीं होता, वह कभी फलित नहीं होती। जैसे बंदूक की गोली से अधिक उसका वेग प्रभाव डालता है, वैसे ही धर्म में भाव ही उसका वास्तविक बल होते हैं।

पंन्यासश्री ने बताया कि नागकेतु की एक पुष्प पूजा और पुणिया श्रावक की सामायिक केवल इसलिए प्रभावशाली बनी, क्योंकि उनमें भावों का समावेश था। उन्होंने कहा कि क्रिया छोटी या बड़ी नहीं होती, बल्कि उसके भाव ही उसे महान् बनाते हैं। धर्म आराधना में आदर, आनंद और अनुमोदना-इन तीनों भावों का समावेश अनिवार्य है। धर्म की शक्ति को रेखांकित करते हुए उन्होंने मोतीशा सेठ की घटना का उल्लेख किया, जहां धर्मभावना के प्रभाव से फांसी की रस्सी बार-बार टूटती रही। यह उदाहरण धर्म की असीम शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आने वाला समय चुनौतीपूर्ण हो सकता है, ऐसे में जिन घरों में धर्म आराधना होगी, वही सुरक्षित रह पाएंगे। समस्त विश्व का कल्याण भी धर्म की शक्ति से ही संभव है।

अन्नादुराई दक्षिणी रेलवे के लिए नए प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार ए. अन्नादुराई, जो भारतीय रेलवे स्टोर सेवा (आईआरएसएस) के 1990 बैच के अधिकारी हैं, ने 20 मार्च से दक्षिणी रेलवे में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक (पीसीएमएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस पदभार से पहले, उन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य किया था।

अन्नादुराई का 34 वर्षों से अधिक का विशिष्ट करियर रहा है और उन्हें रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है। उन्होंने दक्षिणी रेलवे, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिमी रेलवे और पूर्वी तट रेलवे में अपनी सेवाएं दी हैं।

उन्होंने सतर्कता प्रशासन में, विशेष रूप से केंद्रीय सतर्कता आयोग और रेलवे बोर्ड द्वारा भेजे गए शिकायतों के निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर शिकायत प्रबंधन प्रणालियों की देखरेख भी की है। अन्नादुराई ने तिरुचिरापल्ली स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि और बेंगलूरु स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान से लोक नीति एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय से विशेषीकृत प्रबंधन प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है और सिंगापुर स्थित 'आईएनएसईएडी' से उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम पूरा किया है।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के द्वारा 22 मार्च को 1461वां साप्ताहिक सुन्दरकांड पाठ धारापुरम् रोड के सिंधी साईंनगर में दिनेश पांडे के निवास पर हुआ। सायं सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ मे बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मां दुर्गा भक्त मंडल कि ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने दिनेश जी पाण्डे का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा प्रत्येक रविवार को निस्वार्थ एवं निशुल्क तिरुपुर जिला में घर-घर जाकर भक्ति की प्रेरणा देते हुए सुन्दरकांड पाठ किया जाता है।

एआईआईए को ईटी एक्सीलेंस समिट में मिला सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई अमृता इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एविएशन को ईटी एक्सीलेंस समिट में 'दक्षिण भारत का अग्रणी विमानन महाविद्यालय' का सम्मान प्रदान किया गया। यह आयोजन ऑप्टिमल मीडिया सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित किया गया था। चेन्नई के एक पांच सितारा होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मान प्रदान करने के लिए विशिष्ट अतिथि अभिनेत्री राधिका शरत कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव तमिलनाडु सरकार सबिता आनंद ने संस्थान के अध्यक्ष आर. भूमिनाथन को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष आर भूमिनाथन ने कहा कि संस्थान के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, जिसमें एक मिनी हवाई अड्डे की व्यवस्था, एमआईसी-21 टर्बो इंजन और कॉकपिट के साथ एक नकली विमान शामिल हैं, विशेषज्ञ संकाय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग, उद्योग के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और सभी छात्रों के लिए उड़ान प्रशिक्षण ने मिलकर संस्थान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मजबूत प्लेसमेंट पहल और प्रमुख विमानन कंपनियों के साथ संबंधों ने हमे दक्षिण भारत के अग्रणी विमानन कॉलेजों में से एक के रूप में मान्यता दिलाने में योगदान दिया है। जिसके लिए वह सभी के आभारी है ।

सच्चियाय माता के नवचंडी शतचंडी यज्ञ में 108 जोड़ों ने लिया भाग

मैसूरु रोड मंदिर भूखंड पर उमड़ा भक्ति का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सच्चियाय माता जैन संघ के तत्वावधान में मैसूर रोड, बिड़दी स्थित सच्चियाय माता मंदिर प्रांगण में चैत्र मास के अवसर पर रविवार को सच्चियाय माता का नवचंडी शतचंडी यज्ञ एवं 108 जोड़ों सहित हवन कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे विधिवत मंगलाचरण और माता की आराधना से हुआ। पंडित निरंजन बोहरा के मार्गदर्शन में 54 विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक विधि-विधान से हवन सम्पन्न कराया गया। संघ के मंत्री अरुणकुमार भंसाली ने मंदिर लाभार्थी परिवार के बाबूलाल अशोककुमार रांका बेंगलूरु एवं सह प्रायोजक मंगलचंद नितेशकुमार बाफना होसूर का आभार व्यक्त किया।ङ्गसच्चियाय माता की मंगल चुंदड़ी अर्पण करने का लाभ मदनराज राकेशकुमार देसरला परिवार मद्दूर ने लिया। संघ के अशोककुमार चोरड़िया ने बताया कि सामूहिक रूप से संपन्न इस अनुष्ठान में एक ही गोत्र परिवार से पति-पत्नी, दादा-पोता, जेठानी-देवरानी, दो भाई, दो कुंवारी बहनें तथा मां-बेटे जैसे विभिन्न जोड़ों ने भाग लिया। कुशलराज गुलेच्छा बताया कि इस श्री सच्चियाय माता का नवचंडी यज्ञ अत्यंत शक्तिशाली एवं कल्याणकारी अनुष्ठान में भाग लेने वाले सैकड़ों भक्तजनों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। माताजी के मंदिर निर्माण हेतु लगभग 72,000 वर्ग फीट का विशाल भूखंड क्रय किया गया है। इस मंदिर में समाज के प्रत्येक सदस्य की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'माँ! तेरा तुझको अर्पण योजना' प्रारंभ की गई है, जिसमें कोई भी व्यक्ति लाभ ले सकता है। युवक मंडल टीम और महिला मंडल की टीम ने व्यवस्था सँभाली।

बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर बस दुर्घटना में चार लोगों की मौत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक निजी बस के सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना बेंगलूरु दक्षिण जिले में चन्नापटन के निकट संकलगेरे गांव के नजदीक हुई।

मृतकों की पहचान कोझिकोड के मोहम्मद फरान (22) और सुल्फी (45), बेंगलूरु के राशिद (45) तथा साकिर (27) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि चालक को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब साढ़े चार बजे केरल के कालीकट से बेंगलूरु आ रही निजी बस के चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क के बाईं ओर लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई। उसने बताया कि रुकने से पहले बस लगभग 100 मीटर तक रेलिंग से घिसटती रही। ये रेलिंग मुख्य मार्ग को सर्विस लेन से अलग करने के लिए लगाई गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बेंगलूरु आ रही इस बस में 36 यात्री सवार थे। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान चालक ने दावा किया कि वह सामने से आ रहे वाहन से बचने की कोशिश कर रहा था, तभी हादसा हुआ। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज खंगाले के बाद प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत हुआ कि चालक को झपकी आ गई, जिससे दुर्घटना हुई।

संगठन, सहयोग और अपनत्व की भावना ही करेगी समाज का कल्याण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

सिवांची समाज के अधिवेशन में हुई अनेक विषयों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सिवाना के पुत्र आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के प्रथम बार हुब्बल्ली पदार्पण के अवसर पर स्थानीय सिवांची समाज ने अपने निर्माणाधीन तीन मंजिला भवन में सामाजिक अधिवेशन का आयोजन किया। दक्षिण भारत का सिवांची समाज का यह पहला सम्मेलन था जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित पुरुष व महिलाओं की उपस्थिति में अनेक सामाजिक विषयों की गहन चर्चा हुई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस समाज में छोटे-बड़े सभी लोगों को साथ लेकर चलने की व्यवस्था होगी एवं जो नीति-नियमों के अनुसार संगठित होकर चलेंगे, वे ही समाज भविष्य में जीवंत रहेंगे और विकास करेंगे। समृद्ध परिवारों में पनप रही आधुनिक विकृतियां अपनी सामाजिक व्यवस्थाओं को सबसे अधिक तबाह कर रही है। मर्यादाएं वहीं से टूट रही हैं। हम सभी को याद रखना चाहिए कि पुरानी परंपराओं का टूटना किसी भी समाज के हित में नहीं होता। दूसरी ध्यान देने योग्य बात है कि समाज के विकास में व्यक्तिगत विवाद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं सबसे बड़ी समस्या बन रहे हैं, उनसे निपटने का कोई रास्ता नहीं होता। इन आपसी विवादों और नाम व पद की लालसाओं में अनेक क्षेत्रों में समाज की लाभदायी योजनाएं साकार और सार्थक नहीं हो पाती। यह भी गहन चिंतन का विषय है कि समाज के कुछ गिने-चुने परिवारों का सुखी-सम्पन्न और शक्तिशाली होना काफी नहीं है। उतने मात्र से समाज की सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य का निर्धारण नहीं होगा। सभी की संगठित मानसिकता, सहयोग की भावना और सबको अपना मानते हुए साथ लेकर आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति ही सामाजिक उन्नति की राह प्रशस्त कर सकती हैं।ङ्गबंकापुर चौक के पास गब्बूर रोड पर स्थित सिवांची भवन में उपस्थित जनों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने कहा कि समाज के सामान्य वर्ग के रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा के लिए सबसे पहले ठोस कार्ययोजनाएं बनाने की आवश्यकता हैं। धनखर्च की दिशा बदलते हुए सामाजिक कुरीतियों को रोकना भी हम सबका उत्तरदायित्व है। व्यसनमुक्ति और शाकाहार की हमारी मूलभूत संस्कृति को हमें हर हालत में बचाना होगा। हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक परम्पराएं नष्ट हुई तो सब कुछ स्वाहा हो जाएगा। हम अपनी या अपने माता-पिता की बदौलत नहीं, पवित्र संस्कृति और सुसंस्कारों की बदौलत अस्तित्व में हैं। सम्मेलन में गणि पद्मविमलसागरजी, सिवाना के निवासी मुनि तत्वविमलसागरजी, वीरविमल सागरजी, पुण्यविमल सागरजी, तीर्थविमलसागरजी, साध्वी पूर्णप्रभाश्रीजी, हर्षपूर्णाश्रीजी, मधुरिमाश्रीजी, अभिनंदिताश्रीजी, प्रियनंदिताश्रीजी, वीरतिप्रभाश्रीजी, विनम्रप्रभाश्रीजी, विशुद्धप्रभाश्रीजी विशेष रूप से उपस्थित थे। सिवांची संघ के अध्यक्ष अशोक कानूंगा ने सबका स्वागत किया। अनेक पुरुषों व महिलाओं ने सामाजिक व्यवस्थाओं में परिवर्तन के लिए अपने विचार रखे। इस अवसर पर सिवांची समाज के मंत्री गौतम बाफना, उपाध्यक्ष अमृतलाल कोठारी, विनोद चौपड़ा, कोषाध्यक्ष रतनचंद बागरेचा, सहमंत्री देव चौधरी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अभिनेत्री पद्मिनि का 'संस्कृति' ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां संस्कृति कल्चरल फाउंडेशन द्वारा 'ज़िंदगी प्यार का गीत है' नामक एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च 2026 को शाम 6:30 बजे म्यूज़िक अकादमी, चेन्नई में किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे रहीं। कार्यक्रम में कद्रदान सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और पूरा सभागार उत्साह से भरा हुआ नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसे संगीता मुत्ता, संगीता बिहानी और कविता गुलेचा ने संपन्न किया। संस्था के अध्यक्ष मुकेश मुत्ता ने सभी कद्रदान सदस्यों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि पद्मिनी कोल्हापुरे ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए चेयरमैन आनंद बिहानी और मुकेश मुत्ता को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी गायकों ने बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। अपने बचपन को याद करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया और उनकी इच्छा एक प्लेबैक सिंगर बनने की थी। कार्यक्रम में फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा पद्मिनी कोल्हापुरे के प्रसिद्ध गीत प्रस्तुत किए गए, जिनमें 'जिजाजी जिजाजी, यशोमती मैया, पूछो ना यार क्या हुआ, मधुबन खुशबू देता है, तुमसे मिलकर, मेरे किस्मत में तू नहीं, बाबुल का घर, उड़ी बाबा, प्यार किया नहीं जाता हो जाता है और होगा तुमसे प्यारा कौन' शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में ज़िंदगी प्यार का गीत है गीत की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन रजनी गोयल, अनामिका अग्रवाल, जयंतीलाल तेलीसरा और सुधीर कांकरिया द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में कई सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साउंड और लाइट की व्यवस्था संदीप चोराडिया ने संभाली। स्टेज डेकोरेशन संगीता बिहानी द्वारा किया गया। आतिथ्य व्यवस्था में शांति लाल लुंकार, दीपक कोठारी और केएल. जैन का सहयोग रहा। बैकस्टेज प्रबंधन कल्याण चोराडिया और मदन सुराणा ने संभाला, जबकि हॉल व्यवस्था में प्रमोद गाडिया, विक्रम सिंहवी, राजकुमार दमानी, अनिल गोयल और सुरेंद्र सारड़ा का योगदान रहा। अंत में संस्था के सचिव विजय गोलेचा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विश्वकर्मा मंदिर भवन में 150 लोगों ने कराई निशुल्क स्वास्थ्य जांच

रक्तदान शिविर में 40 युवाओं ने किया रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल टैंक बंड रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर भवन में विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। हिट्वि इंटिरियर हार्डवेयर के सहयोग से इस शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने सुबह 10 बजे से लगभग 150 लोगों की निशुल्क रूप से विभिन्न स्वास्थ्य जांच की। इस मौके पर लायन्स क्लब व स्वामी विवेकानंद ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में समाज के युवाओं ने 40 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित ट्रस्ट से भंवरलाल गुगरिया, कीरताराम छड़िया, सज्जनराज कींजा, खींवराज मांकड़, कैलाश भदरेचा, रमेश कुलरिया, मनीष बामणिया, चेनाराम लुंजा, रामदेव धामू, मोहन कुलरिया, प्रकाश बुढड़ सहित बड़ी संख्या में उपस्थित पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए तथा उनकी सराहना की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.